अपनी बात

गत दस-पन्द्रह वर्ष से राष्ट्रभाषा हिन्दी की सेवा करते हुए मुझे यह अनुभव हुआ है कि हिन्दी अपनी भगिनी भाषाओं से आदार-प्रदान करके ही समृद्ध हो सकती है। हिन्दी साहित्य-सम्मेलन ने भी यही सोच कर अपने पाठ्यक्रम में प्रांतीय भाषाओं को स्थान दिया है। लेकिन इस कार्य को पूरा करने के लिये ऐसी पुस्तकों की आवश्यकता है, जो सरलता से हिन्दी भाषा भाषियों को इन प्रांतीय भाषाओं का ज्ञान करा सकें। मेरी 'हिन्दी-गुजराती-शिक्षा' इसी दृष्टि से लिखी गई है और अपने ढंग की पहली पुस्तक है।

'हिन्दी-गुजराती शिक्षा' के लिखाने का श्रेय हि० सा० सम्मेलन के भूत पूर्व परीक्षा-मंत्री आदरणीय डाक्टर रामकुमार वर्मा एम. ए., पी. एच डी. को है। उन्होंने मुझे यह आदेश दिया कि मैं 'साहित्यरत्न' में गुजराती लेनेवालों के लिये प्रारम्भिक पुस्तक लिखूँ। उन्हीं के आदेश का पालन करने के लिये यह पुस्तक आज पाठकों के हाथ में जा रही है।

इस पुस्तक के लिखने में सबसे अधिक सहायता राष्ट्रभाषा प्रचारक-मण्डल, सूरत के मंत्री श्री विपिनविहारी चटपट से मिली है। उन्होंने पुस्तक के संशोधन करने और शुद्धिपत्र बनाने में जो श्रम किया है उसके लिये मैं उनका हृदय से ऋणी हूँ।

अन्त में विज्ञ पाठकों और सुज्ञ आलोचकों से प्रार्थना है कि पुस्तक में जो त्रुटियाँ हों उनकी ओर वे अवश्य संकेत करें, ताकि अगले संस्करण में उनका परिहार किया जा सके।

रक्षा-बन्धन वि० सं० २००६ — विनीत,

आगरा — पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'

द्वितीय संस्करण के सम्बन्ध में

यह देखकर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि "हिन्दी गुजराती शिक्षा" का द्वितीय संस्करण एक वर्ष के भीतर ही हो गया। मुझे अनेक स्थानों से गुजराती सीखने वाले छात्रों तथा अन्य जिज्ञासुओं ने इस पुस्तक की मुक्त-कण्ठ से प्रशंसा करते हुए बधाइयाँ भेजी है। इससे मुझे यह अच्छी तरह अनुभव हो गया है कि प्रस्तुत पुस्तक गुजराती भाषा के साहित्यके रसास्वादन के लिए एक सोपान सिद्ध हुई है। एक साहित्यसेवी के लिए इससे अधिक संतोषकी और क्या बात हो सकती है?

मैंने यह प्रयत्न किया है कि प्रस्तुत संस्करण और भी उपयोगी हो सके। इसके लिए सेटजास कालिज, आगरा के रसायन विभाग के भूतपूर्व अध्यक्ष श्री के० सी० पण्ड्या तथा वर्तमान अध्यक्ष श्री एन. एम. अन्तानी महोदय से मुझे पर्याप्त सहायता मिली है। एतदर्थ मैं उक्त दोनों महानुभावों का हृदय से आभार मानता हूँ।

आशा है, पिछले संस्करण की भाँति इसका भी अच्छा स्वागत होगा।

लेखक

तृतीय संस्करण के सम्बन्ध में

हमें इस पुस्तक के तृतीय संस्करण के प्रकाशन में अत्यन्त प्रसन्नता होती है। पुस्तक के उपयोगिता का यही हमारे लिए प्रमाण है। विषय सम्पादन सब कुछ वही होते हुए भी विद्यार्थियों के लाभार्थ हमने इसका मूल्य घटाकर १।) कर दिया है।

प्रकाशक

अनुक्रमाणिका

हिन्दी-गुजराती-शिक्षा



प्रथम प्रकरण

वर्णमाला

स्वर—हिन्दी भाषा की वर्णमाला की भाँति गुजराती भाषा में भी ११ स्वर हैं। वे इस प्रकार हैं—

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
અ	આ	ઇ	ઈ	ઉ	ઊ	ઋ	એ	ઐ	ઓ	ઔ

व्यंजन—हिन्दी में ३३ व्यंजन हैं, जब कि गुजराती में ३४ व्यंजन हैं। गुजराती में 'ળ' अधिक है। गुजराती में प्रयुक्त 'ળ' का काम हिन्दी में 'ल' से चल जाता है। गुजराती व्यंजन इस प्रकार हैं—

क	ख	ग	घ	ङ
ક	ખ	ગ	ઘ	ઙ
च	छ	ज	झ	ञ
ચ	છ	જ	ઝ	ઞ
ट	ठ	ड	ढ	ण
ટ	ઠ	ડ	ઢ	ણ
त	थ	द	ध	न
ત	થ	દ	ધ	ન
प	फ	ब	भ	म
પ	ફ	બ	ભ	મ
य	र	ल	व	श
ય	ર	લ	વ	શ
ष	स	ह		
ષ	સ	હ	ળ	

नोट-१-क्ष, त्र, ज्ञ आदि गुजराती मे भी हिन्दी की भाँति संयुक्ताक्षर ही माने जाते हैं और उसी प्रकार लिखे जाते है।

२-अनुस्वार और विसर्ग भी गुजराती मे ठीक उसी प्रकार लिखे जाते हैं जिस प्रकार वे हिन्दी मे लिखे जाते है।

—·—

द्वितीय प्रकरण

कुछ अक्षरों के उच्चारण

गुजराती स्वर और व्यजनोका उच्चारण हिन्दीकी भाँति ही होता है। अन्तर केवल इतना ही है कि हिन्दी भाषामे प्रयुक्त होने वाली वे फ़ारसी ध्वनियाँ जिनके नीचे बिन्दी रखी जाती है और बिन्दी के कारण जिनका उच्चारण साधारण ध्वनि की अपेक्षा कुछ भिन्न हो जाता है, गुजराती मे बिना बिन्दी रखे ही लिखी और पढी जाती है और उनका उच्चारण किसी भिन्न तरीके से नही किया जाता। उदाहरण के लिए 'जमीन' शब्द को लीजिए। हिन्दी में 'जमीन' शब्द का उच्चारण करते समय 'ज' का अंग्रेजी के 'इज़' (is) के 'ऐस' (S) की भाँति होगा। इसका गुजराती का उच्चारण 'ज' की भाँति ही होगा। इसलिए यदि गुजराती मे 'ज़मीन' लिखना हो तो 'जमीन' ही लिखा जायगा। क, ख़, ग़, फ़ आदि अन्य फारसी ध्वनियों के उच्चारण के लिए भी गुजराती मे ऐसा ही नियम लागू होता है। जैसे—

हिन्दी	गुजराती
कलम	કલમ
ख़ुश	ખુશ
ग़लत	ગલત
फ़सल	ફસલ

गुजराती में ડ, ઢ के नीचे बिन्दी लगाकर अलग ध्वनियाँ नही बनाई जाती, जैसा कि हिन्दी में किया जाता है। हिन्दी के पढ़ना, लड़ना आदि को गुजराती में पढना (ભણવું,) लड़ना (લડવું) आदि लिखा जायगा।

हिन्दी में 'ज्ञ' का उच्चारण 'ग्य' होता है। गुजराती में 'ग्न' होता है।

हिन्दी में अनुस्वार के उच्चारण लिखने के दो रूप हैं—पूर्ण अनुस्वार (ं) और चन्द्रबिन्दु (ँ)। जहां पूर्ण अनुस्वार होता है वहाँ पूरी ध्वनि का उच्चारण होता है। जहाॅ अर्धचन्द्र होता है वहाँ आधी ध्वनि का उच्चारण होता है। गुजराती में अर्द्ध चन्द्र नही लिखा जाता। हा, उच्चारण में स्थान देखकर काम चला लिया जाता है और पूर्ण अनुस्वार की जगह पूर्ण अ नुस्वार तथा अर्द्ध चन्द्र की जगह अर्द्ध चन्द्र उच्चरित हो जाता है।

गुजराती के विराम-चिन्ह हिन्दी से बिलकुल मिलते है। अन्तर केवल पूर्ण विराम में होता है। हिन्दी में पूर्ण विराम के स्थान पर खडी पाई (।) होती है, जबकि गुजराती मे अंग्रेजी की भाँति छोटी बिन्दी (.) रखकर पूर्ण विराम लगाया जाता है।

तृतीय प्रकरण

हिज्जे-सम्बन्धी कुछ नियम

साधारण रीति से भाषा जैसे बोली जाती है वैसे ही लिखी जाती है। इस नियम के अनुसार गुजराती में संस्कृत तत्सम शब्दों के हिज्जे हिन्दी की ही भाँति होते हैं। कुछ तद्भव शब्दो के हिज्जे गुजराती में हिन्दी की अपेक्षा भिन्न प्रकार से होते हैं। ऐसे शब्दो के हिज्जो के मुख्य-मुख्य नियम नीचे दिये जाते हैं—

१—तद्भव शब्दों के अन्त मे आनेवाले 'इ' तथा 'उ' क्रमशः दीर्घ और ह्रस्व लिखे जाते हैं भले ही वे सानुस्वार हो या निरनुस्वार हो। जैसे—

धणी (पति), शुं (क्या), दही (दही), लाडु (लड्डू) आदि।

इसमे अपवाद भी हो सकता है। मुख्य अपवाद यह है कि एकाक्षर निरनुस्वार शब्दो के 'उ' दीर्घ होता है। जैसे—

लू, भू, आदि।

२—जहाँ 'इ' अथवा 'उ' के ऊपर आने वाले अनुस्वार का उच्चारण अर्द्ध चन्द्र की भाँति धीमे स्वर से होता है वहाँ वे 'इ' अथवा 'उ' दीर्घ हो जाते है। जैसे—

ઈંડું (अण्डा) લૂટ (लूट) પૂંછડું (पूंछ) आदि ।

३-शब्द में आने वाले संयुक्ताक्षर से जब पिछले स्वर को धक्का लगता है तब 'इ' और 'उ' को ह्रस्व ही लिखा जाता है। जैसे—

કિસ્તી (किश्ती), શિસ્ત (अनुशासन), જુસ્સો (जोश), ચુસ્ત (चुस्त) आदि ।

४—जहाँ व्युत्पत्ति के आधार पर अलग हिज्जे नहीं होते वहाँ अन्तसे पहले आने वाले 'इ' अथवा 'उ' दीर्घ लिखे जाते हैं। जैसे—

મૂળ (मूल), ઝીણું (बारीक) आदि ।

५—जहाँ व्युत्पत्ति के आधार पर अलग हिज्जे नहीं होते वहाँ दो से अधिक अक्षर वाले शब्दो मे 'इ' अथवा 'उ' के बाद लघु अक्षर आते हैं और वे 'इ' या 'उ' दीर्घ लिखे जाते है। गुरु अक्षर आते है वहाँ वे ह्रस्व लिखे जाते है। जैसे—

નીકળ (निकल), મજૂર (मजूर), અકાળ (अकाल), કિનારો (किनारा) आदि ।

६—विशेषण से बनने वाली संज्ञा और जाति वाचक संज्ञा से बनने वाली भाव-वाचक संज्ञा में मूल शब्द के हिज्जे ज्यो के त्यो रहते हैं। जैसे—

ગરીબ से ગરીબાઈ (ग़रीबी) વકીલ से વકીલાત (वकालत) आदि ।

७—चार या उससे अधिक अक्षर वाले शब्दो मे आदि में आने वाले 'इ' अथवा 'उ' ह्रस्व लिखे जाते हैं। जैसे—

મિજલિસ (मजलिस), ખિસકોલી (गिलहरी) आदि ।

नोट—१-ऐसे शब्द जब समास रूप से आते है तब समास के मूल शब्दो मे हिज्जे बने रहते हैं। जैसे—

प्राणी विद्या, स्वामी द्रोह आदि ।

२—ऐसे शब्द जब द्विरुक्ति से युक्त होते है तब द्विरुक्ति प्राप्त करने वाले शब्द के हिज्जे बने रहते हैं। जैसे—કૂદાકૂદી (कूदफाँद) ભુલભુલામણી (भूलभुलैयाँ) आदि ।

८—शब्द रचना में दीर्घ 'ઈ' के बाद स्वर आता हो तो उसे ह्रस्व करके स्वर के पहले 'य' जोड़कर लिखना चाहिए। जैसे—

દરીઓ के स्थान पर દરિયો (समुद्र), રેંટીઓ के स्थान पर રેંટિયો (चर्खा), ફરીઆદ के स्थान पर ફરિયાદ (फरियाद) आदि।

९—जब तद्भव शब्दों में अल्पप्राण और महाप्राण दोनो साथ साथ संयुक्ताक्षर के रूप में आते हैं तब द्वित्व भी हो जाता है। जैसे—

ચિઠ્ઠી का (चिट्ठी), પથ્થર का पत्थर आदि।

१०—विभक्ति अथवा वचन के प्रत्यय लगाते समय अथवा समास बनाते समय शब्द के मूल हिज्जे ज्यों के त्यो रहते है। जैसे—

નદી का નદીઓ (नदियाँ), ખૂબી का ખૂબીઓ (खूबियाँ), બારી બારણાં (खिड़की दरवाजे), आदि।

११—कुछ शब्दों के हिज्जे गुजराती और हिन्दी में भिन्न होते है लेकिन अर्थ एकसा होता है। जैसे—

મહિનો (महीना), હિન્દુ (हिन्दू), મેહનત (मिहनत) મહેરબાની (महरबानी), બહેન (बहिन), બહાર बाहर સાહેબ साहब) आदि।

नोट—यह परिवर्तन विशेषकर हकार वाले शब्दो में ही होता है।

१२—हिन्दी में विभक्ति के प्रत्यय कभी शब्द के साथ और कभी शब्द से अलग लिखे जाते हैं। गुजराती में ऐसा नही है। गुजराती मे विभक्ति के प्रत्यय सदैव शब्द के साथ मिलाकर लिखे जाते हैं।

१३—मात्राये भी गुजराती में हिन्दी की ही भाँति लगाई जाती है एक दो अक्षरों मे ही मात्रा लगाने मे भिन्नता दृष्टिगोचर होती है। जैसे 'જ' और 'ર' में। जब 'જ' मे 'ા' और 'ી' की मात्रा लगती है तो उसका रूप क्रमशः 'જા' और 'જી' हो जाता है। 'र' में जब 'ુ' और 'ૂ' की मात्रा लगती है तब उसका रूप क्रमशः 'રુ' या 'रु' और 'રૂ' हो जाता है।

चतुर्थ प्रकरण

लिंग भेद

हिन्दी में दो लिंग होते है—एक पुल्लिग और दूसरा स्त्रीलिग। गुजराती में संस्कृत की भाँति तीन लिंग होते हैं—एक पुल्लिग (नरजाति), दूसरा

स्त्रीलिंग (नारी जाति) और तीसरा नपुंसक लिंग (नान्यतर जाति)।

पुल्लिंग—जिस शब्द से पुरुष का बोध होता है उसे पुल्लिंग में रखते हैं। जैसे—

છોકરો (लड़का) સિંહ (सिंह), વાઘ (बाघ), વાંદરો (बन्दर) બિલાડો (बिलाव) आदि।

स्त्रीलिंग—जिस शब्द से स्त्री का बोध होता है उसे स्त्रीलिंग में रखते हैं। जैसे—

છોકરી (लड़की), સિંહણ (सिंहिनी), વાઘણ (बाघिन), વાંદરી (बन्दरिया), બિલાડી (बिल्ली) आदि।

नपुंसकलिंग—जिस शब्द से न तो पुरुष का बोध होता है और न स्त्री का उसे नपुंसक लिंग में रखते हैं जैसे—

છોકરું (शिशु), ઘોડું (टट्टू)।

लिंग-निर्णय की पद्धति

सामान्यतया जब शब्द ओकारान्त होता है तब पुल्लिंग, जब इकारान्त होता है तब स्त्रीलिंग और जब उकारान्त होता है तब नपुंसक लिंग होता है। जैसे—

છોકરો, વાંદરો, બિલાડો आदि पुल्लिंग है, છોકરી, વાંદરી, બિલાડી आदि स्त्रीलिंग है और છોકરું, ઘોડું, બકરું आदि नपुंसकलिंग है।

बहुवचन वाले शब्दों के लिंग

बहुधा पुलिंग एकवचन वाले ओकारान्त शब्द बहुवचन में आकारान्त हो जाते है और उनके पीछे 'ओ' जोड़ दिया जाता है। जैसे—

છોકરો से છોકરાઓ ઘોડો से ઘોડાઓ, વાંદરો से વાંદરાઓ आदि।

स्त्रीलिंग मे बहुवचनवाले शब्दों की 'ई' ज्यों की त्यो रहती है और उसके साथ बहुवचन का प्रत्यय 'ओ' जोड़ दिया जाता है। जैसे—

છોકરી से છોકરીઓ વાંદરી से વાંદરીઓ, બિલાડી से બિલાડીઓ आदि।

नपुंसक लिंग में एक बचन वाले उंकारान्त शब्द बहुवचन में आंकारान्त हो जाते हैं। कभी-कभी आकारान्त करके 'ओ' जोड़ दिया जाता है। जैसे—

છોકરું से છોકરાં या છોકરાંઓ, બકરું से બકરાં या બકરાંઓ, વાંદરું से વાંદરાં या વાંદરાંઓ आदि।

तीनों लिंगो के कुछ अपवाद निम्नलिखित हैं:—

पुल्लिग—જમાઈ, સઈ (दर्जी) હાથી, માળી, (माली), ધોબી, સોની (सुनार) મોચી इकारान्त होने पर भी पुल्लिंग है। ઘઉં (गेहूँ) उकारान्त होने पर भी पुल्लिंग है।

स्त्रीलिंग—ગળો (गिलोय) જળો (जौंक), છો (पिसा हुआ चूना) आदि ओकारान्त होने पर भी स्त्रीलिंग हैं।

नपुंसकलिंग—મોતી, ઘી મરી (काली मिर्च), બી (बीज) લોહી (रक्त) आदि ईकारान्त होने पर भी नपुंसक लिंग है। મો ओकारान्त होने पर भी नपुंसक लिंग है।

साधारणत: जिन शब्दों के अन्त में 'ક' या 'તા' प्रत्यय आते है वे पुल्लिग होते हैं। जैसे—યાચક, લેખક, વક્તા, ભોક્તા आदि। 'તિ' 'આ' 'તા' 'આઈ' या 'આશ' प्रत्यय जिनके अन्त में आते हैं वे शब्द स्त्रीलिंग होते है। जैसे ગતિ, ઇચ્છા, દીનતા, લડાઈ, ચીકાશ (चिकनाहट) आदि। 'અન', 'ન', 'ત્વ', 'પણું', 'ત્ર', 'ય' प्रत्यय जिनके अन्त में आते है वे शब्द नपुंसक लिंग होते है। जैसे અર્પણ, જ્ઞાન, ગુરૂત્વ, ડહાપણ (चतुराई) નેત્ર, પાંડિત્ય आदि।

कुछ एकार्थक शब्द तीनों लिंगों में प्रयुक्त होते हैं :—

पुल्लिग	स्त्रीलिग	नपुंसकलिग
દેહ	કાયા	શરીર
ગ્રંથ	ચોપડી	પુસ્તક
યશ	કીર્તિ	નામ
વંશ	પેઢી	કુલ

पुल्लिंग से स्त्रीलिंग बनाने के नियम

अधिकांश पुल्लिंग शब्दों के अन्त में 'આ', 'ઈ', 'આની' या 'આણી' 'અણ' या 'એણ', 'અણી' और 'ડી' प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग बनाते हैं। जैसे—

प्रत्यय	पु० शब्द	स्त्री० शब्द
આ	કોકિલ	કોકિલા
	સુત	સુતા
	બાલ	બાલા
	ચતુર	ચતુરા
ઈ	દાસ	દાસી
	કુકડો (मुर्गा)	કુકડી
	પોપટ (तोता)	પોપટી
	કુમાર	કુમારી
આની (આણી)	ક્ષત્રિય	ક્ષત્રિયાણી
	ગોર (पुरोहित)	ગોરાણી
	દિયર (देवर)	દેરાણી
	ભવ (महादेव)	ભવાની
અણ (એણ)	વાણિયો (बनिया)	વાણિયણ या વાણિયેણ
	માળી (माली)	માળણ या માળેણ
	પટેલ (मुखिया)	પટલણ, પટલાણી या પટલેણ
	ગોવાલ	ગોવાલણ या ગોવાલેણ
અણી	પિશાચ	પિશાચણી
	રાગ	રાગવણી
	ચંડાળ (चाण्डाल)	ચંડાળણી
	હાથી	હાથણી
ડી	હજામ (नाई)	હજામડી
	ઊંટ	ઊંટડી
	ચાકર (नौकर)	ચાકરડી
	ભીલ	ભીલણી या ભિલ્લણ

कुछ गुजराती शब्दों के पुल्लिंग और स्त्रीलिंग रूप हिन्दी की भाँति भिन्न-भिन्न होते हैं। जैसे—

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
મરદ	ઔરત
પુરુષ	સ્ત્રી
ભાઈ	બ્હેન
બળદ	ગાય
ભૂત	ડાકણ
મિત્ર	સખી
મોર	ઢેલ

कुछ शब्दों के गुजराती लिंग और हिन्दी लिंग भिन्न-भिन्न होते हैं। जैसे–

शब्द	हिन्दी लिंग	गुजराती लिंग
અગ્નિ	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
આત્મા	,,	,,
આયુ	,,	नपुंसक लिंग
જય પરાજય	,,	पुल्लिंग
વિજય	,,	,,
દેહ	,,	,,
વ્યક્તિ	पुल्लिंग	पुल्लिंग
સંતાન	स्त्रीलिंग	नपुंसक लिंग
સમાજ	उभयलिंग	पुल्लिंग
મૃત્યુ	स्त्रीलिंग	नपुंसक लिंग
અવાજ	,,	पुल्लिंग
પુસ્તક	,,	नपुंसक लिंग
કિતાબ	,,	स्त्रीलिंग
મતલબ	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
વાયુ	उभयलिंग	पुल्लिंग

ઔષધ	स्त्रीलिंग	नपुंसक लिंग
શાક	पुल्लिंग	,,
નાક	स्त्रीलिंग	,,
મહિમા	,,	पुल्लिंग
મજા	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
સ્કૂલ કૉલેજ	,,	,,
શરાબ	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
તકદીર	,,	नपुंसक लिंग
ભાગ્ય	पुल्लिंग	,,
વ્યાકરણ	,,	,,
મિનિટ	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग

नोट—शब्दकोश में ऐसे शब्दोंकी सूची विस्तार से दी गई है।

पंचम प्रकरण

वचन

हिन्दी की भाँति गुजराती में भी दो वचन होते हैं—एकवचन और बहुवचन।

एकवचन से बहुवचन बनाने के नियम

अकारान्त शब्दो का बहुवचन 'અ' का 'ઓ' कर देने से बनता है। जैसे—

પુસ્તક	પુસ્તકો
કલમ	કલમો
કમળ	કમળો या કમળ
બાળક	બાળકો

आकारान्त, इकारान्त और ईकारान्त शब्दो का बहुवचन 'ઓ' प्रत्यय पृथक् लगाने से बनता है। जैसे—

શાળા	શાળાઓ
બાળા	બાળાઓ

જાતિ	જાતિઓ
ચોપડી	ચોપડીઓ
નદી	નદીઓ

उकारान्त और ऊकारान्त शब्दों का बहुवचन भी 'ઓ' प्रत्यय पृथक् लगाने से बनता है। जैसे—

તરુ	તરુઓ
ગુરુ	ગુરુઓ
ધેનૂ	ધેનૂઓ
વધૂ	વધૂઓ

उकारान्त शब्दों का बहुवचन 'ઉ' का 'આં' करने से बनता है अथवा 'આ' करके 'ઓ' लगाने से बनता है। जैसे—

છોકરું	છો રા, છોકરાંઓ
બકરું	બકરા, બકરાંઓ
વાંદરું	વાદરાં, વાંદરાઓ

नोट—१-जब हिन्दी में ईकारान्त तथा ऊकारान्त शब्दों के बहुवचन बनाते हैं, तब दीर्घ 'ई' अथवा 'ऊ' को ह्रस्व कर देते हैं, लेकिन गुजराती में ऐसा नहीं होता। गुजराती में दीर्घ का दीर्घ ही रहता है।

२-आजकल गुजराती में 'ઓ' प्रत्यय का प्रचलन कम होता जा रहा है और बिना 'ઓ' प्रत्यय के बहुवचन बनाने की प्रथा चल पड़ी है। जहाँ ऐसा होता है, वहाँ संख्यावाचक विशेषण आदि से काम चला लिया जाता है। जैसे—

'માણસ' से **'ઘણાં માણસ'**, **'કેરી'** से **'ઘણી કેરી,'** **'લાડુ'** से **'ઘણા લાડુ'**, **'છોકરો'** से **'ઘણા છોકરા'** आदि।

३—कुछ शब्द तो ऐसे होते हैं, जिनमें बहुवचन बनाते समय **'ઓ'** प्रत्यय कभी नहीं लगता। जैसे—

હાથ, પગ, દાંત, હરડે (हर्रे), રતાળુ (रतालू), જળો (जौंक), વાળુ (ब्यालू, भोजन), आदि।

सम्मानार्थ बहुवचन का प्रयोग

गुजराती मे भी हिन्दी की भांति सम्मान के लिए एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग होता है। जैसे—

ગુરૂ હજી આવ્યા નથી (गुरू अभी नही आये) लिखा जायगा, न कि **ગુરૂ હજી આવ્યો નથી** (गुरू अभी नही आया)। यहाँ 'આવ્યો' एकवचन है और 'આવ્યા' बहुवचन। गुरूजनों, पिता, माता तथा देवता आदि के लिये सम्मानार्थ बहुवचन का प्रयोग होता है।

नोट—जब स्त्रियो के सम्मानार्थ एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग होता है, तब नपुंसकलिंग का प्रयोग होता है। जैसे—

તેમનાં પત્ની **ઘણાં** દયાળુ છે. (उनकी पत्नी बहुत दयालु है।) या **તે ભલાં** રાણી ક્યારે **પધાર્યાં**? (वे अच्छी रानी कब आई?) आदि।

सामान्यतया व्यक्तिवाचक और भाववाचक संज्ञा एकवचन में रहती है, लेकिन कभी-कभी जब उसका प्रयोग जातिवाचक संज्ञा के रूप में होता है, तब उसका बहुवचन होता है। जैसे—

હિન્દમાં હજી બીજા કાલિદાસ થયા નથી (भारतमें अभी दूसरे कालिदास नही हुए।) और **આગલા જન્મનાં પુણ્યોએ તેને ઉગાર્યો** (पूर्व जन्म के पुण्यो ने उसे बचाया)। यहाँ '**કાલિદાસ**' और '**પુણ્યો**' क्रमश. व्यक्तिवाचक और भाववाचक संज्ञाएँ है, जो जातिवाचक संज्ञाओ के रूप मे प्रयुक्त हुई है। इसलिए उनका प्रयोग बहुवचन के रूप में हुआ है।

इसी प्रकार द्रव्यवाचक और समूहवाचक संज्ञाएँ भी साधारण रूप से एकवचन में आती है, लेकिन जब द्रव्यवाचक संज्ञा भिन्न-भिन्न प्रकार बताती है और समूहवाचक संज्ञा भिन्न-भिन्न समूहो का बोध कराती है, तब उनमें भी बहुवचन का प्रयोग होता है। जैसे—

તેણે દેશ દેશનાં પાણી પીધાં. (उसने देश-देशके पानी पिये और **તે લડાઇમાં પાંચ લશ્કરો એકઠાં થયાં.** (उस लड़ाई में पाँच फौजें इकट्ठी हुई। यहाँ '**પાણી**' और '**લશ્કર**' क्रमशः द्रव्यवाचक और

समूहवाचक संज्ञाएँ पानी के प्रकारों और फौज के समूहोंके लिए प्रयुक्त हुई हैं। इसलिए उनका प्रयोग बहुवचन के रूप में हुआ है।

अधिकांश अनाजों के नाम बहुवचन में आते हैं जैसे—

મગ (मूँग), તલ (तिल), અડદ (उर्द), મઠ (मोंठ), ઘઉં (गेहूँ), વટાણા (मटर), ચોખા (चावल), आदि।

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित शब्द बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं—

અભાવા (गर्भेच्छा), ઓવારણાં, (बलैयाँ लेना), શીતળા (चेचक) હોશકોશ (होश-हवास) आदि।

कुछ शब्दों के रूप एकवचन और बहुवचन में समान रहते हैं, अर्थात् उनमें बहुवचनका 'ઓ' प्रत्यय नहीं लगता। जैसे—

નમસ્કાર, લગ્ન (विवाह), પ્રણામ સમાચાર आदि।

नीचे के वाक्यों में दोनों रूपों में प्रयोग देखे जा सकते हैं—

લગ્ન થયું	विवाह हुआ।
લગ્ન થયાં	विवाह हुए।
માન દીધું	मान दिया।
માન દીધાં	मान दिये।

अरबी, फ़ारसी आदि विदेशी भाषाओं के शब्दों के बहुवचन गुजराती व्याकरण के अनुसार ही बनते हैं। हिन्दी की भाँति इन भाषाओं के रूप सीधे नहीं अपनाये जाते। जैसे हिन्दी में **मकान** का बहुवचन **मकानात** हो सकता है, पर गुजराती में 'ઓ' प्रत्यय लगाकर **મકાન** का बहुवचन **મકાનો** ही होगा।

षष्ठ प्रकरण

संज्ञा

गुजराती में संज्ञा को **नाम** कहते हैं। गुजराती में संज्ञाके पाँच प्रकार होते हैं:—

१—संज्ञावाचक, २—जातिवाचक, ३—समूहवाचक ४—द्रव्यवाचक ५—भाववाचक

संज्ञावाचक—जो किसी वस्तुविषय या व्यक्तिविशेष को बताती है उसे संज्ञावाचक कहते है । जैसे અરવિન્દ, અમદાવાદ, ગંગા आदि । हिन्दी मे इसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहेंगे ।

जातिवाचक—जो किसी प्राणि या वस्तु की समस्त जाति या वर्ण के लिए आती है उसे जातिवाचक कहते है । जैसे સિંહ, પુસ્તક, નદી आदि । हिन्दी में भी यह जातिवाचक संज्ञा कहलाती है ।

समूहवाचक—जो समूहका बोध कराती है, उसे समूहवाचक कहते है । जैसे લશ્કર (फौज), કાફલો (काफिला), ઝૂમખું (गुच्छा) आदि ।

द्रव्यवाचक—जो द्रव्य अर्थात् पदार्थ को बताती है, उसे द्रव्यवाचक कहते हैं । जैसे ઘી, પાણી, સોના, आदि ।

भाववाचक—जो किसी पदार्थ के गुण, भाव या क्रिया को बताती है, उसे भाववाचक कहते हैं । जैसे ભલાઈ (गुण), ભૂખ (भाव), ચાલ (क्रिया) आदि । हिन्दी में भी यह भाववाचक संज्ञा कहलाती है ।

सप्तम प्रकरण

सर्वनाम

हिन्दी में सर्वनाम छः प्रकार के होते हैं, जब कि गुजराती में सात प्रकार के होते हैं ।

हिन्दी	ગુજરાતી
पुरुष वाचक	પુરૂષ વાચક
निज वाचक	સ્વવાચક
निश्चय वाचक	દર્શક
संबध वाचक	સાપેક્ષ
प्रश्नवाचक	પ્રશ્નાર્થ
अनिश्चय वाचक	અનિશ્ચિત
	અન્યોન્ય વાચક

१—पुरुषवाचक सर्वनाम—पुरुष बतानेवाले सर्वनाम को पुरुष वाचक कहते हैं । जैसे—

प्रकार	एकवचन	बहुवचन
उत्तम पुरुष—પહેલો પુરૂષ	હું—मैं	અમે, આપણે—हम
मध्यम पुरुष—બીજો પુરૂષ	તું—तू	તમે—तुम
अन्य पुरुष—ત્રીજો પુરૂષ	તે—वह	તેઓ—वे

नोट—हिन्दी की भाँति गुजराती मे '**તમે**' के स्थानपर सम्मानार्थ 'આપ' का प्रयोग होता है। लेकिन हिन्दी में ऐसा प्रयोग सामान्य रूप से होता है, जब कि गुजराती में कभी-कभी अधिक आदर दिखाने के लिए ही इसका प्रयोग करते हैं।

२—**स्ववाचक सर्वनाम**—निजत्वका भाव प्रकट करने वाले सर्वनाम को स्ववाचक कहते हैं। जैसे—

પોતે (स्वयं), જાતે (अपने-आप), ખુદ (खुद) आदि।

३—**दर्शक सर्वनाम**—निकट अथवा दूर के पदार्थों को दिखानेवाले सर्वनाम को दर्शक कहते है। जैसे—

एकवचन	बहुवचन
આ—यह	એ ઓ—ये
તે, પેલો—वह, सो	તે ઓ—वे, सो

४—**सापेक्ष सर्वनाम**—जिस सर्वनाम को दूसरे सर्वनाम की अपेक्षा रहती है, उसे सापेक्ष कहते हैं। जैसे—

'**જે**' (जो) इसको '**તે**' (सो) की अपेक्षा रहती है, क्योंकि इसके बिना यह निरर्थक हो जाता है।

नोट—बहुवचन में '**જે**' का **જેઓ**' हो जाता है और '**તે**' का '**તેઓ**' हो जाता है।

५—**प्रश्नार्थ सर्वनाम**—जो सर्वनाम प्रश्न पूछने के लिए आता है, उसे प्रश्नार्थ कहते हैं। जैसे—

કોણ (कौन), શું (क्या), કયુ (कौनसा) आदि।

नोट—'શું' और 'કયુ' प्रश्नार्थ सर्वनाम के रूप लिंग के अनुसार बदलते रहते है,। जैसे—

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	नपुंसक लिंग
શો	શી	શું
કયો	કયી	કયુ

६—**अनिश्चित सर्वनाम**—जिस सर्वनामसे किसी पदार्थ या आदमी का निश्चय नहीं होता, उसे अनिश्चित कहते हैं। जैसे—

કોઈ (कोई), કંઈ (कुछ), અમુક (अमुक), ફલાણો (फलाँ) आदि।

७—अन्योन्यवाचक सर्वनाम—जो सर्वनाम पारस्परिक भाव को बतलाता है, उसे अन्योन्यवाचक कहते हैं। जैसे—

અન્યોન્ય, પરસ્પર (आपस मे या परस्पर) એક બીજું (एक-दूसरा) आदि।

अष्टम प्रकरण

कारक और विभक्ति तथा उनके प्रत्यय

हिन्दी की भाँति गुजराती मे भी सात विभक्तियाँ और छ कारक होते हैं। सम्बन्ध-विभक्ति को हिन्दी तथा गुजराती में कारक नही मानते, क्योकि इसका सम्बन्ध क्रिया के साथ न होकर सज्ञा के साथ होता है।

विभक्ति	हिन्दी प्रत्यय	गुजराती प्रत्यय
१—कर्ता	कुछ नही, अथवा 'ने'	कुछ नही अथवा 'એ'
२—कर्म	कुछ नही अथवा 'को'	कुछ नही अथवा 'ने'
३—करण	'से'	એ, થી, વડે,
४—सम्प्रदान	के लिए, को	ने, माटे, ने,
५—अपादान	से	થી, થકી,
६—सम्बन्ध	का, के, की	નો, ના, ની, નું, નાં,
७—अधिकरण	मे, पै, पर,	માં, એ, ઉપર

नोट—'નું' और 'નાં' क्रमशः नपुंसक लिंग के एकवचन और बहुवचन मे आते हैं।

कर्त्ताकारक—

गोविन्द पढता है।	ગોવિન્દ વાંચે છે
उसने पानी पिया।	તેણે પાણી પીધું.

कर्म कारक—

राम ने सेव खाया।	રામે સફરજન ખાધું.
ललिता ने भिखारी को बुलाया।	લલિતાએ ભિખારીને બોલાવ્યો.

करण कारक—

वह आँख से काना है।	તે આંખે કાણો છે.
उसने चाकू से पेसिल बनाई।	તેણે ચપ્પુથી પેન્સીલ છોલી
मुझसे यह काम हुआ।	મારા વડે આ કામ થયું.

सम्प्रदान कारक—

घोड़े के लिये घास लाओ। ઘોડાને માટે ઘાસ લાવો.

राजा ने ब्राह्मण को दान दिया। રાજાએ બ્રાહ્મણને દાન આપ્યું

अपादान कारक—

स्टेशन से गाड़ी चली। સ્ટેશનથી ગાડી ઉપડી.

पेड़ से पत्ता गिरा। ઝાડ ઉપરથી પાંદડું પડ્યું

अधिकरण कारक—

दवात में स्याही नहीं है। ખડિયામાં શાહી નથી.

उसने अँगुली मे अँगूठी पहनी। તેણે આંગળીએ વીંટી પહેરી

चूल्हे पर दूध है। ચૂલા ઉપર દૂધ છે.

नोट—अपादान कारक का 'थकी' प्रत्यय अधिकतर कविता में प्रयुक्त होता है। गुजराती में 'नहीं है' के लिए केवल 'नथी' आता है, न कि 'नथी छे'

सम्बन्ध विभक्ति—

यह राम का लड़का है। આ રામનો છોકરો છે.

उसके घोड़े अच्छे हैं। તેના ઘોડા સારા છે.

यह श्याम की लड़की है। આ શ્યામની છોકરી છે

वह आम का पेड़ है। તે કેરીનું ઝાડ છે

पेड़ के पत्ते हिल रहे हैं। ઝાડના પાંદડાં હાલે છે

जिस प्रकार हिन्दी में संज्ञाओं के साथ विभक्ति लगाने से उनके रूपमें परिवर्तन हो जाता है, उसी प्रकार गुजराती में भी हो जाता है। विभक्तिप्रत्यय लगाते समय 'ओकारान्त' शब्द को 'आकारान्त' तथा 'उंकारान्त' शब्दको एकवचन में 'आकारान्त' और बहुवचन में 'आंकारान्त' कर देते हैं। जैसे—

છોકરો	+	ને	=	છોકરાને
છોકરું	+	એ	=	છોકરાએ (एकवचन)
છોકરું	+	એ	=	છોકરાએ (बहुवचन)

नोट—ઘઉં, જળો, મોં आदि मे विभक्ति प्रत्यय लगाने से परिवर्तन नहीं होता।

२—'એ' प्रत्यय लगाते समय 'आकारान्त' शब्द के 'अ' को, निकालकर 'એ' प्रत्यय लगाते है । जैसे—

માણસ + એ = માણસ્ + એ = માણસે

३—सर्वनाम में छठ्ठी विभक्तिम 'નો' 'ની' 'નુ' के स्थान पर 'રો' 'રી' 'રૂ' प्रत्यय लगते है । जैसे—

મારો (मेरा) મારી (मेरी) મારૂં (मेरे)

सर्वनामों के रूप

मै—હું

विभक्ति	एकवचन	बहुवचन
१	मै-હું, मैंने-મે	हम, हमने અમે, આપણે
२	मुझको मुझे-મને	हमको, हमे-અમને, આપણને
३	मुझसे—મારાથી	हमसे-અમારાથી, આપણાથી
४	मेरे लिए-મારા માટે	हमारे लिए-અમારે માટે, આપણે માટે
	मुझको—મને	हमको—અમને, આપણને
५	मुझसे—મારાથી	हमसे—અમારાથી
६	मेरा-મારો. मेरे-મારા,	हमारा—અમારો, हमारे—અમારા
	मेरी—મારી,	हमारी-અમારી
		આપણો, આપણાં, આપણી
	मेरा—મારૂ, मेरे-મારાં	हमारा-અમારૂ, हमारे-અમારાં
		આપણું, આપણાં
	(दोनो नपुसक लिग में)	(दोनो नपुंसक लिग मे)
७	मुझमें- મારામાં	हममे-અમારામાં આપણામાં

तू—તું

विभक्ति	एकवचन	बहुवचन
१	तू-તું, तूने-તેં	तुम, तुमने-તમે
२	तुमको, तुझे-તને	तुमको, तुम्हें-તમને
३	तुझसे-તારાથી	तुमसे-તમારાથી

४ तेरे लिए-તારે માટે, तुम्हारे लिए-તમારે માટે,
तुझको-તને तुमको-તમને
५ तुझसे-તારાથી तुमसे-તમારાથી
६ तेरा तारा, तेरे-તારા, तुम्हारा-તમારો, तुम्हारे-તમારા
तेरी-તારી तुम्हारी તમારી
तेरा तारुं, तेरे-તારાં तुम्हारा-તમારૂં, तुम्हारे-તમારાં
(दोनों नपुंसक लिंग में) (दोनों नपुंसक लिंग में)
७ तुझमें-તારામાં तुममें-તમારામાં

वह—તે

विभक्ति	एकवचन	बहुवचन
१	वह-તેઓ, उसने-તેણે	वे-તેઓ, उनने उन्होंने-તેમણે, તેઓએ
२	उसको, उसे-તેને	उनको, उन्हें-તેમને તેઓને
३	उससे-તેથી, તેનાથી	उसे-તેમનાથી, તેઓથી તેઓનાથી
४	उसके लिये-તેને માટે	उनके लिये-તેમને માટે, તેઓ માટે
	उसको-તેને	उनको-તેમને તેઓને
५	उससे-તેથી તેનાથી	उनसे-તેમનાથી, તેઓથી, તેઓનાથી
६	उसका-તેનો, उसके-તેના	उनका-તેઓનો, उनके-તેઓના તેમનો, તેમના
	उसकी-તેની	उनकी-તેઓની, તેમની
	उसका-તેનું, उसके-તેનાં (दोनों नपुंसक लिंग में)	उनका-તેઓનું उनके-તેઓનાં તેમનું તેમનાં (दोनों नपुंसक लिंग में)
७	उसमें-તેમાં, તેનામાં,	उनमें-તેમનામાં, તેઓમાં તેઓનામાં

नोट—'જે' (जो) और 'એ' (ये) के रूप 'તે' (वह) की भाँति ही चलते हैं।

कौन—કોણ

विभक्ति—

१ कौन-કોણ, किसने, किनने-કોણે
२ किसको, किनको—કોને
३ किससे, किनसे—કોનાથી
४ किसके लिए किनके लिए—કોનેમાટે, किनको, किसको—કોને
५ किससे, किनसे—કોનાથી
६ किसका, किनका-કોનો, किसके. किनके-કોના, किसकी, किनकी-કોની

किसका, किनका—કોનું, किसके, किनके—કોનાં

(दोनो नपुंसक लिंग में)

विभक्ति

७ किसमे, किनमे—કોનામાં

नोट—इस विभक्ति के रूप तीनो लिंगो और दोनो वचनों मे एकसे रहते है । 'પોતે' (आप) सर्वनाम के रूप 'કોણ' की भाँति चलते हैं। 'આપણુ' (हम) और 'આપ' (आप) के रूप बहुवचन मे ही होते हैं। કોઈ (कोई) के रूप भी इसी प्रकार चलते हैं।

यह—આ

विभक्ति	एकवचन	बहुवचन
१	यह-આ, इसने-આણે	यह આ, इनने, इन्होने-આમણે
२	इसको, इसे-આને	इनको, इन्हे-આમને
३	इससे-આથી, આનાથી	इनसे આમનાથી
४	इसके लिए-આનેમાટે, इसको-આને	इनके लिए-આમનેમાટે इनको-આમને
५	इससे-આથી, આનાથી	इनसे-આમનાથી
६	इसका-આનો, इसके આના इसकी-આની,	इसका-આમનો, इनके-આમના, इनकी-આમની,
	इनका-આનું, इसके-આનાં	इसका-આમનું इनके-આમના,
	(दोनों नपुंसक लिंग मे)	(दोनो नपुंसक लिंग मे)
७	इसमें-આમાં, આનામાં	इनमें-આમનામાં

अष्टम प्रकरण

विशेषण

हिन्दी की भाँति गुजराती में भी स्वरूप के अनुसार विशेषण दो प्रकार के होते हैं। एकको विकारी कहते हैं और दूसरे को अविकारी। जैसे—

विकारी	अविकारी
यह घोड़ा अच्छा है—	लाल घोड़ा जा रहा है—
આ ઘોડો **સારો** છે.	**લાલ** ઘોડો જઈ રહ્યો છે.
ये फल अच्छे हैं।	लाल घोड़े जा रहे हैं।
આ ફળ **સારાં** છે.	**લાલ** ઘોડા જાય છે.
यह किताब अच्छी है।	लाल चिड़िया मेरी है।
આ ચોપડી **સારી** છે.	**લાલ** ચકલી મારી છે.

नोट—विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार बदलने वाले को विकारी और न बदलने वाले को अविकारी कहते हैं।

अर्थ के अनुसार गुजराती में भी हिन्दी की भाँति विशेषण के तीन प्रकार माने गये हैं—

१-स्वाभाविक २-गुणवाचक और ३-संख्यावाचक

सार्वनामिक (सर्वनामके ऊपर से बननेवाले)

दर्शक सर्वनामी,	प्रश्नवाचक सर्वनामी,	परिमाणवाचक सर्वनामी या मापवाचक सर्वनामी
यह—આ	कौण—કોણ	ऐसा—આવું
ये—એ	क्या—શું	वैसा—તેવું
वह—તે		जैसा—જેવું
जो—જે		कैसा—કેવું
		इतना—આટલું
		उतना—તેટલું
		जितना—જેટલું
		कितना—કેટલું

गुणवाचक

- **काल** — नया, पुराना — નવું, જૂનું
- **स्थान** — भीतर, बाहर — અંદર, બહાર
- **आकार** — चौरस, गोल — ચોરસ, ગોળ
- **रंग** — लाल, पीला — લાલ, પીળો
- **दशा** — गरीब, अमीर — ગરીબ, અમીર
- **गुण** — भला, बुरा — ભલો, બુરો

संख्यावाचक

- **निश्चित**
  - **गणना** — एक, दो — એક, બે; पाव, आधा — પા, અડધો
  - **क्रम** — पहला, दूसरा — પહેલો, બીજો
  - **आवृत्ति** — दुगुना, तिगुना — બમણું, તમણું
  - **समूह** — आठों, कोडी — અઠ્ઠુ, કોડી
  - **प्रत्यकबोधक** — प्रत्येक, हरेक — હરેક, હરેક
- **अनिश्चित** — सब, अमुक, फला — સબ, અમુક, ફલાણાં
- **परिमाणवाचक या मापबोधक** — बहुत, कुछ, थोड़ा — ઘણું, કંઈ, થોડું

नोट—संज्ञा में 'ઈ', 'આઈ', 'વાળુ', 'ય', 'ત્ય', 'મ', 'ઈક', 'ઈય 'મય', આળુ', आदि प्रत्यय लगाकर विशेषण बनाये जाते है । जैसे—

હિન્દુસ્તાન	+ ઈ	=	હિન્દુસ્તાની
ચીન	+ આઈ	=	ચીનાઈ (चीन का)
વિદ્યા	+ વાળું	=	વિદ્યાવાળું (विद्यावाला)
અન્ત્	+ ય	=	અન્ત્ય (अन्त का)
અધ	+ મ	=	અધમ (नीच)
મનસ્	+ ઈક	=	માનસિક (मानसिक)
રાષ્ટ્ર	+ ઈય	=	રાષ્ટ્રીય (राष्ट्रीय)
જળ	+ મય	=	જળમય (जलमय)
દયા	+ આળુ	=	દયાળુ (दयालु)

नोट—विशेषणके लिंग और वचन विशेष्यके अनुसार बदलते रहते है ।

विशेषण के तुलनावाचक रूप

जिस प्रकार हिन्दी में तर, तम, ईयस्, इष्ट आदि संस्कृत के प्रत्यय लगाकर क्रमशः अधिकतावाचक और श्रेष्ठतावाचक रूप होते हैं, उसी प्रकार गुजराती में भी होते है । हिन्दी मे जैसे 'से' प्रत्यय लगाकर अधिकताबोधक अवस्था प्रकट की जाती है, और 'सब' के साथ 'मे' या 'से' प्रत्यय लगाकर श्रेष्ठताबोधक अवस्था प्रकट की जाती है, वैसे गुजराती मे अधिकताबोधक के लिए '**ના કરતાં**' अथवा '**ના કરતાં વધારે**', का प्रयोग होता है और श्रेष्ठता बोधक के लिए '**સૌથી વધારે**', '**મોટામાં મોટું**', '**સૌથી મોટું**', या '**સૌના કરતાં મોટું**' आदि का प्रयोग होता है जैसे—

यह गाँव उस गाँव से बड़ा है । આ ગામ તે ગામ કરતાં વધારે મોટું છે.

यह गाँव सबसे बड़ा है । આ ગામ સૌથી મોટું છે.

क्रिया

हिन्दी की भाँति गुजराती में भी क्रिया दो प्रकार की होती है—एक सकर्मक और दूसरी अकर्मक ।

सकर्मक

सोहन कविता गाता है। મોહન કવિતા ગાય છે

अकर्मक

अरुण सूरत जाता है। અરુણ સૂરત જાય છે.

नोट—इसके अतिरिक्त हिन्दी की भाँति गुजराती में द्विकर्मक क्रिया होती है। जैसे—

श्यामा चन्द्र को दूध पिलाती है। શ્યામા ચન્દ્રને દૂધ પિવડાવે છે.

सामान्यतया कर्तृवाच्य (કર્તરિ પ્રયોગ) में कर्ता के अनुसार क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष बदलते हैं। कर्मवाच्य में (કર્મણિ પ્રયોગ) में कर्म के अनुसार बदलते है और भाववाच्य (ભાવે પ્રયોગ) में क्रिया अन्यपुरुष नपुंसक लिग एकवचन मे रहती है। जैसे—

कर्तृवाच्य—

लडके मैदान में दौडे। છોકરાઓ યોગાનમા દોડ્યા

कर्मवाच्य

इस लडके ने पुस्तक पढ़ी है। આ છોકરાએ ચોપડી વાચી છે.

भाववाच्य—

मुझसे वहाँ जाया गया। મારાથી ત્યા જવાયું.

नोट—हिन्दीमें जब कर्ता और कर्म दोनों को प्रत्यय लगा हो; तब क्रिया भाववाच्य (पुल्लिग, एकवचन, अन्यपुरुष) में रहती है, जब कि गुजराती में ऐसा होने पर क्रिया कर्मवाच्य में रहती है। जैसे—

कल्लूने बिल्ली को मारा। पुल्लिग, एकवचन, अन्यपुरुष
કલ્લૂએ બિલાડીને મારી क्रिया कर्म के अनुसार

रमाने कुत्तेको भगाया। पुल्लिग, एकवचन, अन्यपुरुष
રમાએ કૂતરાને ભગાડ્યો क्रिया कर्म के अनुसार

गुजराती में 'વુ' प्रत्यय मूलधातु मे लगने से, सामान्य-क्रिया बनती है। जैसे—

દોડ	દોડવું	दौड़ना
હસ	હસવું	हँसना
બોલ	બોલવું	बोलना
ચાલ	ચાલવું	चलना

नवम प्रकरण

प्रेरणार्थक और संयुक्त-क्रियायें

गुजराती मे प्रेरणार्थक क्रिया को प्रयोजक या प्रेरक-क्रिया कहते है। हिन्दी की भाँति गुजराती मे भी प्रेरणार्थक क्रिया के प्रेरणार्थक तथा पुन· प्रेरणार्थक (प्रयोजक तथा पुन· प्रयोजक) दो रूप होते हैं जैसे—

मूलधातु	क्रिया	प्रेरणार्थ	पुनः प्रेरणार्थक
ताप-તાપ	तापना-તાપવું	तपाना-તપાવવું	तपवाना-તપાવડાવવું या તપાવરાવવું
खा-ખા	खाना-ખાવું	खिलाना-ખવાડવું	खिलवाना-ખવડાવવું या ખવાવરાવવું
सी-સીવ	सीना-સીવવું	सिलाना-સિવડાવવું	सिलवाना-સિવાવરાવવું या સિવાવરાવવું
लिख-લખ	लिखना-લખવું	लिखाना-લખાવવું	लिखवाना-લખાવડાવવું या લખાવરાવવું
खेल-રમ	खेलना-રમવું	खिलाना-રમાડવું	खिलवाना-રમાડાવવું या રમાવડાવવું

नोट—मूल धातु मे 'આવ', આડ' 'વાડ', प्रत्यय लगाने से प्रेरणार्थक क्रिया बनती है। पुन· प्रेरणार्थक क्रिया बनाने के लिए 'વડાવ', 'આડાવ', 'આવરાવ', 'આવડાવ' आदि प्रत्यय लगाये जाते है। प्रत्यय लगाते समय धातुके आदि दीर्घ स्वर को ह्रस्व कर देते हैं, जैसा कि ऊपर किया गया है। सभी प्रेरणार्थक क्रियाये सकमर्क होती हैं। अकर्मक क्रियाकी प्रेरणार्थक क्रिया नही बनती।

संयुक्त क्रिया

जब भिन्न भिन्न क्रियापदों के योग मे बनने वाली क्रिया का एक नया ही सयुक्त अर्थ होता ह तो संयुक्त क्रिया बनती है इसके निम्नलिखित प्रकार हैं—

१–त्वरा (शीघ्रताबोधक)

દે	ફેંકી દે	(फेंक दे)
નાખ	મારી નાખ.	(मार डाल)
જા	બેસી જા.	(बैठ जा)
લે	ખાઇ લે	(खा ले)
કાઢ	લખી કાઢ	(लिख डाल)

नोट—क्रिया के भूतकाल के साथ 'દે', 'નાખ', 'જા', 'લે', 'કાઢ', आदि धातु रखने से त्वरा या शीघ्रताबोधक क्रिया होती है।

२–सम्पूर्णता (पूर्णताबोधक)

ચૂક	કરી ચૂક્યો.	(कर चुका)
મૂક	લખી મૂક્યો.	(लिख डाला)
રાખ	ભરી રાખ્યું	(भर रखा)
વાળ	માંડી વાળ્યું	(स्थगित किया)
રહે	ભણી રહ્યો.	(पढ चुका)
છૂટ	નાસી છૂટ્યો	(भाग निकला)

नोट—क्रिया के भूतकाल के साथ 'ચૂક', 'મૂક', 'રાખ', 'વાળ' 'છૂટ' आदि धातुके रूप लगाने से सम्पूर्णता या पूर्णता बोधक संयुक्त क्रिया बनती है।

३–ओचिंतापणुं (सहसात्व बोधक)

પડ	હસી પડ્યુ	(हंस पडा)
ઉઠ	રડી ઉઠ્યુ	(रो उठा)

नोट—पड़ना और उठना क्रियाके संयोग से सहसात्व बोधक संयुक्त क्रिया बनती है।

४–आरंभ (आरंभ बोधक)

આવ	થતુ આવે છે.	(होता आता है)
માંડ	શીખવા માંડો.	(सीखने लगो)

લાગ	લખવા લાગો.	(लिखने लगो)
જો	વાંચી જો	(पढ देख)

नोट—वर्तमान कृदन्त के साथ 'આવ' और सामान्य क्रिया के साथ 'માંડ' और 'લાગ' तथा क्रिया के भूतकाल के साथ 'જો' प्रत्यय लगाने से आरंभ बोधक संयुक्त क्रिया बनती है।

५—चालू पणुं (नित्यता बोधक)

કર	વાંચ્યા કર.	(पढ़ा कर)
જા	બગડતું જાય છે.	(बिगडता जाता है)

नोट—क्रिया के भूतकाल के साथ 'કર' और वर्तमान कृदन्त के साथ 'જા' प्रत्यय लगाने से चालु पणुं या नित्यता बोधक संयुक्त क्रिया बनती है।

६—विधि या फरज (औचित्य बोधक)

જો	વાંચવું જોઇએ.	(पढना चाहिए)
	લખવું જોઇએ.	(लिखना चाहिए)

नोट—सामान्य क्रिया में 'જો' का 'જોઇએ' रूप लगाने से विधि या फरज या औचित्य बोधक सयुक्त क्रिया बनती है।

७—शक्यार्थ (शक्ति बोधक)

શક	હું જઈ શકું છું	(मैं जा सकता हूँ)
	તું આવી શકે છે.	(तू आ सकता है)

नोट—भूतकाल में 'શક' प्रत्यय लगाने से शक्यार्थ या शक्तिबोधक सयुक्त क्रिया बनती है।

दसम प्रकरण

सामान्यकाल—સાદા કાલો

सामान्य वर्तमान काल—સાદો વર્તમાન કાલ

'हो' धातु

एकवचन		बहुवचन	
मै हूँ	હું છું.	हम है	અમે-આપણે છીએ.
तू है	તું છે.	तुम हो	તમે છો.
वह है	તે છે.	वे हैं	તેઓ છે.

सामान्य भूतकाल સાદો ભૂતકાલ

'हो' धातु

एकवचन		बहुवचन	
मै था	હું હતો.	हम थे	અમે-આપણે હતા.
तू था	તુ હતો.	तुम थे	તમે હતા.
वह था	તે હતો	वे थे	તેઓ હતા.

सामान्य भविष्यकाल સાદો ભવિષ્યકાલ

'हो' धातु

एकवचन		बहुवचन	
मैं हूँगा	હું હઈશ.	हम होंगे	અમે-આપણે હઈશુ.
तू होगा	તુ હશે	तुम होंगे	તમે હશો.
वह होगा	તે હશે.	वे होंगे	તેઓ હશે.

नोट—सामान्य वर्तमान काल में 'હો' धातु के पुल्लिग, स्त्रीलिग और नपुंसक लिंग के रूप एक-से होते है। सामान्य भूतकाल मे स्त्रीलिग मे 'હતો' के स्थान में 'હતી' होता है, और बहुवचन मे 'હતા' के स्थान मे 'હતાં' होता है। नपुंसक लिग मे एकवचन में 'હતુ' और बहुवचन मे 'હતાં' होता है। सामान्य भविष्यकाल मे तीनो लिगो मे समान रूप होते है। मिश्रकालों के बनाने मे सहायक क्रिया 'હો' का उपयोग होता है, इसलिए उसके तीनों कालो के रूप यहाँ पहले दिये गये है।

सामान्य वर्तमान काल

'बोल' धातु

एकवचन		बहुवचन	
मै बोलता हूँ	હું બોલુ (છું,)	हम बोलते है	અમે-આપણે બોલીએ (છીએ)
तू बोलता है	તું બોલે (છે,)	तुम बोलते हो	તમે બોલો (છો,)
वह बोलता है	તે બોલે (છે,)	वे बोलते है	તેઓ બોલે (છે,)

नोट—सामान्य वर्तमान काल प्रथम पुरुष एकवचन में धातुमे 'ઉં' लगाने से बनता है। द्वितीय पुरुष एकवचन और तृतीयपुरुष एकवचन तथा

बहुवचन में 'એ' प्रत्यय लगाया जाता है। प्रथम पुरुष बहुवचनमें 'ઍએ' और द्वितीय पुरुष बहुवचनमें 'ઓ' प्रत्यय लगाया जाता है। हिन्दी की भाँति गुजराती में सामान्य वर्तमान कालमें 'હો' धातु का प्रयोग नही होता। इसलिए 'હો' के गुजराती के रूप कोष्ठक में दिए हे।

सामान्य भूतकाल

एकवचन		बहुवचन	
मैं बोला	હું બોલ્યો.	हम बोले	અમે-આપણે બોલ્યા.
तू बोला	તુ બોલ્યો.	तुम बोले	તમે બોલ્યા.
वह बोला	તે બોલ્યો.	वे बोले	તેઓ બોલ્યા.

नोट—स्त्रीलिंग एकवचन में 'બોલ્યો' के स्थानपर 'બોલી' होगा, और बहुवचन में 'બોલ્યાં' होगा। नपुंसकलिंग में एकवचन में 'બોલ્યુ' और बहुवचन में 'બોલ્યાં' होगा। अकारान्त, ईकारान्त, और एकारान्त धातु का सामान्य भूतकाल सामान्यतया पुल्लिंग में एकवचन और बहुवचन में क्रमशः धातु के साथ 'ધો' और 'ધા' स्त्रीलिंग में 'ધી' और 'ધાં' तथा नपुंसकलिंग मे 'ધુ' और 'ધાં' लगाने से बनता है। शेष मे पुल्लिंग मे एकवचन और बहुवचन में क्रमशः 'યો' और 'યા' स्त्रीलिंग में 'ઇ' और 'યાં' तथा नपुंसकलिंग में 'યુ' और 'યાં' लगता है। एकारान्त धातु का ईकारात करके ईकारान्त की भाँति प्रत्यय लगाते हैं। जैसे—

धातु	पुल्लिंग		स्त्रीलिंग		नपुंसक लिंग	
	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
દોડ	દોડયો	દોડયા	દોડી	દોડયા	દોડયું	દોડયાં
ખા	ખાધો	ખાધા	ખાધી	ખાધા	ખાધું	ખાધાં
પી	પીધો	પીધા	પીધી	પીધાં	પીધું	પીધાં
લે	લીધો	લીધા	લીધો	લીધા	લીધુ	લીધા
જો	જોયો	જોયા	જોઇ	જોયાં	જોયુ	જોયા

अपवाद—ऊपर के नियमों के अपवाद के रूप में 'જવું' (जाना) के रूप 'ગયો' 'ગયા', 'ગઈ', 'ગયાં' 'ગયું', 'ગયાં' और 'કરવું' (करना के रूप 'કર્યો' या 'કીધો', 'કર્યા' या 'કીધા', 'કરી' या 'કીધી', 'કર્યાં' या 'કીધાં', 'કર્યું' या 'કીધું', 'કર્યાં' या 'કીધાં', होते है।

सामान्य भविष्यकाल

एकवचन		बहुवचन	
मै बोलूँगा	હું બોલીશ	हम बोलेगे	અમે આપણે બોલીશું
तू बोलेगा	તું બોલશે.	तुम बोलोगे	તમે બોલશો.
वह बोलेगा	તે બોલશે	वे बोलेगे	તેઓ બોલશે

नोट—सामान्य भविष्यकाल धातु में प्रथम-पुरुष एकवचन में 'ઇશ' और बहुवचन मे ઇશું' द्वितीय पुरुष एकवचन मे 'અશે' और बहुवचन मे 'અશો'. तृतीय पुरुष एकवचन और बहुवचन मे 'અશે' प्रत्यय लगाकर बनाया जाता है।

एकादश प्रकरण

तात्कालिक या अपूर्णकाल—ચાલુ યા અપૂર્ણ કાલો

अपूर्ण वर्तमान

एकवचन		बहुवचन	
मैं बोल रहा हूँ	હું બોલું છું	हम बोल रहे है	અમે બોલીએ છીએ
तू बोल रहा है	તું બોલે છે.	तुम बोल रहे हो	તમે બોલો છો
वह बोल रहा है	તે બોલે છે.	वे बोल रहे हैं	તેઓ બોલે છે.

नोट—धातु के सामान्य वर्तमान के साथ 'હો' के सामान्य वर्तमान के रूपों को रखने से अपूर्ण वर्तमान काल बनता है।

अपूर्ण भूत

एकवचन		बहुवचन	
मै बोलता था मै बोल रहा था	—હું બોલતો હતો.	हम बोलते थे हम बोल रहे थे	—અમે બોલતા હતા.

तू बोलता था तू बोल रहा था	—તું બોલતો હતો.	तुम बोलते थे तुम बोल रहे थे	—તમે બોલતા હતા.
वह बोलता था वह बोल रहा था	—તે બોલતો હતો.	वे बोलते थे वे बोल रहे थे	—તેઓ બોલતા હતા.

नोट—धातु में पुल्लिंग एकवचन 'તો' और बहुवचन में 'તા'; स्त्रीलिंग में एकवचन में 'તી' और बहुवचन में 'તાં' तथा नपुंसकलिंग में एकवचन में 'તુ' और बहुवचन में 'તાં' लगाकर, उसके साथ 'હો' के भूतकाल के रूपों को रखकर अपूर्ण भूत बनाया जाता है। जैसे—

स्त्रीलिंग

एकवचन
मैं बोलती थी।
હું બોલતી હતી.

बहुवचन
हम बोलती थीं।
અમે બોલતાં હતાં.

नपुंसकलिंग

एकवचन
पक्षी बोलता था।
પક્ષી બોલતું હતું

बहुवचन
पक्षी बोलते थे।
પક્ષીઓ બોલતાં હતાં.

अपूर्ण भविष्य

एकवचन		बहुवचन	
मैं बोलता हूँगा	હું બોલતો હઇશ.	हम बोलते होंगे	અમે બોલતા હઇશું.
तू बोलता होगा	તું બોલતો હશે.	तुम बोलते होगे	તમે બોલતા હશે.
वह बोलता होगा	તે બોલતો હશે.	वे बोलते होंगे	તેઓ બોલતા હશે.

नोट—धातु में पुल्लिंग, स्त्रीलिंग तथा नपुंसक लिंग के एकवचन और बहुवचन में क्रमशः 'તો', 'તા', 'તી', 'તાં', 'તુ', 'તાં' लगाकर उसके साथ 'હો' धातु के भविष्य के रूप रखकर अपूर्ण भविष्य बनाया जाता है जैसे—

स्त्रीलिंग	नपुंसक लिंग

एकवचन
मैं बोलती हूँगी। હું બોલતી હઈશ.

बहुवचन
हम बोलती होंगी। અમે બોલતાં હઈશું.

एकवचन
पक्षी बोलता होता। પક્ષી બોલતું હશે.

बहुवचन
पक्षी बोलते होंगे। પક્ષીઓ બોલતાં હશે.

द्वादश प्रकरण

पूर्णकाल

पूर्ण वर्तमान

'दौड़' धातु

एकवचन		बहुवचन	
मैं दौड़ा हूँ	હું દોડયો છું.	हमें दौड़े हैं।	અમે દોડયા છીએ.
तू दौड़ा है।	તું દોડ્યો છે	तुम दौड़े हो।	તમે દોડ્યા છો.
वह दौड़ा है।	તે દોડ્યો છે.	वे दौड़े हैं।	તેઓ દોડયા છે.
मैं दौड़ी हूँ।	હું દોડી છું.	हम दौड़ी हैं।	અમે દોડયાં છીએ.

नोट—धातु के नर और नारी जाति के भूतकाल के साथ 'હો' का वर्तमान काल रखने से पूर्ण वर्तमान होता है।

पूर्ण भूत

एकवचन		बहुवचन	
मैं दौड़ा था।	હું દોડયો હતો	हम दौड़े थे।	અમે દોડયા હતા.
तू दौड़ा था।	તું દોડયો હતો.	तुम दौड़े थे।	તમે દોડયા હતા.
वह दौड़ा था।	તે દોડયો હતો.	वे दौड़े थे।	તેઓ દોડયા હતા.
मैं दौड़ी थी।	હું દોડી હતી	हम दौड़ी थीं।	અમે દોડયાં હતાં.

नोट—धातु के नर और नारी जाति के भूतकाल के साथ 'હો' का भूतकाल रखने से पूर्ण भूत बनता है।

पूर्ण भविष्य

एकवचन		बहुवचन	
मैं दौड़ा हूंगा।	હું દોડયો હઈશ.	हम दौड़े होंगे।	અમે દોડયા હઈશું,
तू दौड़ा होगा।	તું દોડયો હશે.	तुम दौड़े होगे।	તમે દોડયા હશો.
वह दौड़ा होगा।	તે દોડયો હશે	वे दौड़े होंगे।	તેઓ દોડયા હશે
मैं दौड़ी हूंगी।	હું દોડી હઈશ.	हम दौड़ी होंगी।	અમે દોડયા હઈશું

नोट—धातु के नर और नारी जाति के भूतकाल के साथ 'હો' का भविष्यकाल रखने से पूर्ण भविष्यकाल होता है।

त्रयोदश प्रकरण

क्रियाके अर्थ

१—आज्ञार्थ—

एकवचन		बहुवचन	
वह पुस्तक ला।	પેલું પુસ્તક લાવ	वह पुस्तक लाओ।	પેલું પુસ્તક લાવો.
शामको घर जाना।	સાંઝે ઘેર જજે.	शामको घर जाना।	સાંઝે ઘેર જજો.

नोट—पहला उदाहरण वर्तमान कालमें की जानेवाली आज्ञा का है। दूसरा उदाहरण भविष्य काल में की जानेवाली आज्ञा का है। आज्ञा केवल मध्यम पुरुष को ही दी जा सकती है, इसलिए उसके रूप मध्यम पुरुष के ही होते हैं। आज्ञार्थ वर्तमान के एकवचन में धातु के साथ कोई प्रत्यय नहीं लगता पर बहुवचन में 'ઓ' प्रत्यय लगता है। आज्ञार्थ भविष्य के एकवचन में धातु के साथ 'જે' प्रत्यय लगता है और बहुवचन मे 'જો' प्रत्यय लगता है।

२—विध्यर्थ—

सदा सत्य बोलना। હમેશા સત્ય બોલવું.
प्राणियों के प्रति प्रेम रखना चाहिए। પ્રાણિયો પ્રત્યે પ્રેમ રાખવો જોઇએ,

नोट—धातु के साथ 'વું' प्रत्यय लगाने से तथा उसके साथ 'જોઇએ' (चाहिए) रूप रखने से विध्यर्थ होता है।

३--संकेतार्थ---

यदि तुम आओ तो आनन्द होगा। જો તમે આવો તો આનન્દ થશે.
यदि बरसात न हो तो अकाल पडे। જો વરસાદ ન થાય તો દુકાળ પડે.

संकेतार्थ के रूप-संभाव्य

'हो' धातु

एकवचन		बहुवचन	
मै होऊँ	હું હોઉ	हम हो	અમે હોઈએ
तू हो	તું હો.	तुम हो	તમે હો.
वह हो	તે હોય.	वे हो	તેઓ હોય.

'बोल' धातु

मै बोलूं	હું બોલુ.	हम बोलें	અમે બોલીએ.
तू बोले	તું બોલે	तुम बोलें	તમે બોલો.
वह बोले	તે બોલે	वे बोले	તેઓ બોલે.

नोट—संकेतार्थ के उत्तम पुरुष एकवचन में धातु मे 'ઉ' और बहुवचन में 'ઇએ'; मध्यम पुरुष एकवचन में 'એ' और बहुवचन में 'ઓ' तथा अन्य पुरुष दोनो वचनो मे 'એ' लगता है।

संशयार्थ

वह शायद आया हो। — તે કદાચ આવ્યો હોય
मगन वहाँ गया भी हो। — મગન ત્યાં ગયો યે હોય.

नोट—हिन्दी में जैसे सभाव्य पूर्ण वर्तमान होता है ठीक वैसे ही गुजराती मे सशयार्थ होता है। सशयार्थ एक प्रकार से संभाव्य भविष्य के जैसा है।

निश्चयार्थ

पक्षी उड़ता है। — પંખી ઉડે છે.
सूर्य प्रातःकाल उदय होता है। — સૂર્ય સવારે ઉગે છે.

क्रियातिपत्त्यर्थ

क्रियातिपत्त्यर्थ में संकेत (संभावना) के साथ क्रिया की अतिपत्ति अर्थात् निष्फलता का अर्थ रहता है । जैसे—

यदि वर्षा होती तो घास उगती । જો વરસાદ થાય તો ઘાસ ઉગત.

यदि वह हाजिर होता तो ऐसा न होता । જો તે હાજર હોત આમ બનત નહી

क्रियातिपत्त्यर्थ के रूप

'हो' धातु

एकवचन		बहुवचन	
मैं होता	હું હોત-હત	हम होते	અમે હોત-હત
तू होता	તું હોત-હત	तुम होते	તમે હોત-હત.
वह होता	તે હોત-હત.	वे होते	તેઓ હોત-હત

'बोल' धातु

मैं बोलता	હું બોલત.	हम बोलते	અમે બોલત.
तू बोलता	તું બોલત.	तुम बोलते	તમે બોલત.
वह बोलता	તે બોલત	वे बोलते	તેઓ બોલત.

नोट—क्रियातिपत्त्यर्थ में धातु के साथ एकवचन और बहुवचन में 'त' प्रत्यय लगता है । इसे हिन्दी मे हेतुहेतुमद्भूत कहते हैं ।

चतुर्दश प्रकरण

वाच्य--प्रयोग

हिन्दी में जिसे वाच्य कहते है गुजराती में उसे प्रयोग कहते हैं । गुजराती में भी तीन ही वाच्य (प्रयोग) होते हैं । जैसे —

१—कर्तृवाच्य—કર્તરિ પ્રયોગ

मैं गाँव जाता हूँ । હું ગામ જાઉં છું.

तुम पुस्तक पढ़ते हो । તમે પુસ્તક વાચો છો.

नोट—कर्तृवाच्य की क्रिया अकर्मक और सकर्मक दोनों होती है। इसमे क्रिया के कर्त्ता को विभक्ति प्रत्यय नहीं लगता और क्रिया के रूप कर्ता के अनुसार बदलते रहते है।

२–कर्मवाच्य—કર્મણિ પ્રયોગ

उसने भात खाया।	તેણે ભાત ખાધો.
मगन ने स्लेट तोडी।	મગનને સ્લેટ ફોડી.
मुझसे रोटी खाई गई।	મારાથી રોટલી ખવાઈ ગઈ
उसको रोटी खानी है।	એને રોટલી ખાવી છે.

नोट—कर्मवाच्य की क्रिया सकर्मक होती है। कर्मवाच्य के कर्त्ता को 'એ', 'ને' और 'થી' विभक्ति प्रत्यय लगते हैं और क्रिया के रूप कर्म के अनुसार चलते हैं।

३–भाववाच्य—ભાવે પ્રયોગ

मुझसे गॉव जाया जाता है।	મારાથી ગામ જવાય છે.
सीता को जल्दी दौडना पडा।	સીતા ને જલ્દી દોડવુ પડયું
मुझे कल गॉव जाना है।	મારે કાલે ગામ જવાનું છે

नोट—भाववाच्य की क्रिया प्रायः अकर्मक होती है। ऐसी अकर्मक क्रिया के कर्त्ता को 'એ' थी' और 'ને' विभक्ति प्रत्यय लगते है। वह अन्यपुरुष नपुंसक लिग एकवचन में रहती है।

पंचदश प्रकरण

हिन्दी की भॉति गुजराती में भी पॉच कृदन्त है। वे इस प्रकार है—

१–वर्तमान कृदन्त, २–भूतकृदन्त, ३–भविष्य कृदन्त, ४–सामान्य कृदन्त और ५–सम्बन्धभूत कृदन्त।

वर्तमान कृदन्त

दौड़ता घोडा गिर गया।	દોડતો ઘોડો પડી ગયો.
दौड़ते घोड़े रुक गये।	દોડતા ઘોડા થંભી ગયા

चलती गाड़ी उलट गई। ચાલતી ગાડી ઊથલી પડી
बहता पानी निर्मल होता है। વહેતું પાણી નિર્મલ હોય છે.
बहते झरनों का पानी मीठा होता है। વહેતા ઝરણાનુ પાણી મીઠું હોય છે

नोट—धातु में 'તો' 'તા' 'તી' 'તુ' और 'તાં' प्रत्यय लगाने से वर्तमान कृदन्त होता है।

भूत कृदन्त

गया वक्त वापस नहीं आता। ગયો વખત પાછો આવતો નથી
गरजते हुए बादल बरसते नहीं। ગાજ્યા મેઘ વરસે નહી
उसने मेरी कही बात मानी। તેણે મારી કહી વાત માની.
वह कहा हुआ काम नहीं करता। તે કહ્યું કામ કરતો નથી.
हाथ से किये काम किसको अच्छे नहीं लगते। હાથે કર્યાં કામ કોને ગમતા નથી.
वह सोया हुआ आदमी उलटा-सीधा पड़ा है। તે સૂતેલો માણસ ગમે તેમ પડયો છે.
सोये हुए बच्चों को सोने दो। સૂતેલા બાળકોને સુવા દો.
यह पढ़ी हुई पुस्तक है। આ વાંચેલી ચોપડી છે
सिया हुआ कपड़ा लाओ। શીવેલુ કપડું લાવો.
फटे हुए कपड़े मत पहनो। ફાટેલાં કપડાં ન પહેરો.

नोट—धातु में 'યો', 'યા', 'ઈ', 'યુ', और 'યાં', 'લો', 'લા', 'લી', 'લુ', और 'લાં', प्रत्यय लगाने से भूत कृदन्त बनता है।

भविष्य कृदन्त

राम जाने वाला है। રામ જવાનો છે.
लड़के गाने वाले हैं। છોકરાઓ ગાવાના છે.
श्रद्धा दौड़ने वाली है। શ્રદ્ધા દોડવાની છે
पक्षी उड़ने वाले हैं। પક્ષીઓ ઉડવાના છે
आज गाने वाला नहीं आया। આજે ગાનારો આવ્યો નથી.
सब दौड़ने वाले थक गये। બધા દોડનારા થાકી ગયા.

गानेवाली को इनाम मिला।	ગાનારીને ઈનામ મળ્યું
जो होने वाला था सो हो गया।	જે થનારૂં હતું તે થઈ ગયું.
रास्ते चलनेवाले लोग मोटर से परेशान होते हैं।	રસ્તે ચાલનારો માણસ મોટરથી હેરાન થાય છે.

नोट—धातु मे **'વાનો'**, **'વાના'**, **'વાની'**, **'વાનુ'**, और **'વાનાં'**, तथा **'નારો'**, **'નારા'**, **'નારી'**, **નારૂં'**, और **'નારાં'**, प्रत्यय लगाने से भविष्य कृदन्त बनता है।

सामान्य कृदन्त

विचार किए विना किसी को मूर्ख कहना ठीक नहीं।	વિચાર કર્યા સિવાય કોઈને મૂર્ખ કહેવો ઠીક નથી.
बोलनेकी अपेक्षा कर दिखाना अधिक अच्छा है।	બોલવા કરતાં કરી દેખાડવું વધારે સારું છે.
लड़कों को बातें करना बहुत अच्छा लगता है।	બાળકોને વાતો કરવી ઘણી ગમે છે
कहना सरल है परन्तु करना मुश्किल है।	કહેવું સહેલું છે પણ કરવું અઘરું છે
कटु वचन बोलना अच्छा नही।	કઠણ વેણ બોલવાં ઠીક નથી.

नोट--धातु मे **'વો'**, **'વા'**, **'વી'**, **'વું'**, और **'વાં'**, प्रत्यय लगाने से सामान्य कृदन्त बनता है।

सम्बन्धक भूत कृदन्त

वह खाकर सोता है।	તે ખાઈને ઊંઘે છે
वहाँ जाकर उसने कुछ नहीं किया।	ત્યાં જઈને તેણે કંઈ કર્યું નહી

नोट--धातु के भूत कृदन्त में **'ने'** प्रत्यय लगाकर भूत कृदन्त बनाया जाता है। इस कृदन्त में लिंग और वचन के अनुसार परिवर्तन नही होता। इसे हिन्दी में **પૂર્વ કાલિક કૃદન્ત** भी कहते हैं।

षोड़ष प्रकरण

अव्यय

हिन्दी की भाँति गुजराती में भी चार अव्यय है—

१ नामयोगी (सम्बन्ध बोधक), २ क्रियाविशेषण,

३ उभयान्वयी (समुच्चय बोधक) और ४ केवल (ल) प्रयोगी (विस्मयादिबोधक)

नामयोगी या सम्बन्धबोधक

मेरे पास रुपया है।	મારી પાસે રૂપિઆ છે.
उसके साथ मोहन जाता है।	તેની સાથે મોહન જાય છે
हिन्दू-मुस्लिम एकताके बिना, स्वराज्य नहीं मिलेगा।	હિન્દુ-મુસ્લિમ એકતા સિવાય સ્વરાજ્ય નહી મળે.

नोट—हिन्दी में 'पास', 'नज़दीक', 'मार्फत', 'द्वारा', 'भीतर', 'बाहर' आदि सम्बन्धबोधक अव्ययों के पहले 'के' प्रत्यय आता है। गुजराती में 'के' के स्थानपर 'ની' प्रत्यय लगता है।

क्रियाविशेषण

स्थानवाचक	तुम वहाँ जाना।	તમે ત્યાં જજો.
	मैं यहाँ खड़ा रहूँगा	હું અહીં ઉભો રહીશ.
कालवाचक	राम अभी बाज़ारसे आया।	રામ હમણાં બજારમાથી આવ્યો
	इन्दु देर से आई।	ઇન્દુ મોડી આવી.
रीतिवाचक	हिरन जल्दी दौड़ता है।	હરણું ઉતાવળે દોડે છે.
	कुत्ता धीरे-धीरे दौड़ता है।	કૂતરો ધીમે દોડે છે.
परिमाणवाचक	उसने कम खाया।	તેણે થોડુ ખાધું.
	मोहनको तनिक चोट लगी।	મોહનને જરા વાગ્યુ
हेतुवाचक	वह क्यों आया यह मैं नहीं-जानता।	તે કેમ આવ્યો એ હું જાણતો નથી

उभयान्वयी या समुच्चयबोधक

मै स्टेशन गया और मेरा मित्र बम्बई गया ।	હું સ્ટેશને ગયો અને મારો મિત્ર મુંબઈ ગયો. ।
वहाँ जाना परंतु जल्द वापस आना।	ત્યાં જજો પણ જલ્દી પાછા આવજો
तुम आये फिर भी वह न आया ।	તમે આવ્યા તો પણ તે ન આવ્યો.
मै न आया क्योंकि मुझे काम था ।	હું ન આવ્યો કેમકે મારે કામ હતું.
सिनेमा मे आँखे बिगडती हैं ।	સીનેમાથી આંખો બગડે છે.
इसलिए वह सिनेमा देखता नही।	એટલા માટે તે સીનેમા જોતો નથી

केवल (७) प्रयोगी या विस्मयादिबोधक

आश्चर्य—

अरे ! यह क्या लाया ।	અરે ! આ શું લાવ્યો.

हर्ष—

वाह ! वाह !! तूने खूब अच्छा गाया ।	વાહ ! વાહ !! તેં ખૂબ સારું ગાયું.

शोक—

अरेरे ! बेचारा मर गया ।	અરેરે ! બિચારો મરી ગયો

घृणा—

छि ! छि !! क्या करता है।	છટ ! છટ !! શું કરે છે

क्रोध—

चुप बैठ ।	ચૂપ બેસ !

स्वीकृति—

जी जनाब ! आया ।	જી સાહેબ ! આવ્યો

सप्तदश प्रकरण

कुछ मुहावरे और कहावतें

नोट—गुजराती मे मुहावरे को 'રૂઢિ પ્રયોગ', अथवा 'વાક પ્રચાર' कहते है और कहावत को 'કહેવત' कहते है । मुहावरे और कहावत में अंतर यह है कि जहाँ कहावत स्वतंत्र रूप से पूर्ण वाक्य की भाँति प्रयुक्त होती

है वहाँ मुहावरा वाक्य को पूरा करने के लिए इसके एक अंग की भाँति व्यवहृत होता है। मुहावरे और कहावतें किसी भाषा की जान होते हैं। इनके प्रयोग से भाषा में सजीवता और प्रवाह आता है। गुजराती और हिन्दी के मुहावरे और कहावतें लगभग एक से ही हैं। कहीं-कहीं अन्तर हो गया है। नीचे हम गुजराती भाषा के प्रचलित मुहावरे और कहावतें दे रहे हैं। सुविधा के लिए उनका हिन्दी रूप भी दे दिया है। जहाँ समान हिन्दी रूप नहीं मिला है, वहाँ अर्थ दे दिया गया है, जिससे भाव के समझने में कठिनाई न हो।

मुहावरे या रुढ़ि प्रयोग

આંધળાની લાકડી.	अंधेकी लकड़ी।
અક્કલનો દુશ્મન.	अक्लका दुश्मन।
અંધારા ઘરનો દીવો.	अंधेरे घर का उजाला।
અલોપ થઈ જવું.	हवा हो जाना।
આંખમાં ધૂળ નાખવી.	आखों में धूल झोंकना।
અડ્ડો જમાવવો.	अड्डा जमाना।
આંખમા ખટકવું	आखका काँटा होना।
આંખ આગળ અંધારું છવાવું	आँखोंके आगे अँधेरा छाना।
આંખ કાઢવી.	आँख निकालना।
અણસારો પણ ન થવા દેવો.	कानों कान खबर न होना।
આકાશ તૂટી પડવું.	आसमान टूट पड़ना।
અહી તહીની હાંકવી.	इधर उधर की हाँकना।
આગળી આપતાં પોંચો પકડવો.	उँगली पकड़ते पहुँचा पकड़ना।
આખની કીકી.	आँखों का तारा।
અવર જવર રહેવી.	चहल-पहल मचना।
આમદરફત રહેની	आना जाना रहना।
અમન ચમનમાં રહેવું.	चैन की वंशी बजाना।
આણ માનવી.	लोहा मानना।
આકાશ-પાતાલનુ અંતર.	आकाश पाताल का अन्तर।
અડચણ નાંખવી.	अड़चन डालना।

અરણ્ય રૂદન	अरण्य रोदन।
આખ લાલ કરવી.	आँखे लाल पीली करना।
ઉધા પછડાવું.	मुँह के बल गिरना।
ઉગતાંજ કરમાઇ જવુ.	उगते ही जल जाना।
ઉઠવું-બેસવુ.	उठना-वैठना।
એક લાકડીયે હાંકવુ	एक लकड़ी से हाँकना।
કેડ ભાંગી જવી.	कमर टूटना।
કાન દેવો.	कान देना।
કાન ભરવા-ભંભેરવા.	कान भरना।
કાળો નાગ.	काला नाग।
કુવો ખોદવો.	कुँआ खोदना।
કાયા પલટાઈ જવી	कायापलट हो जाना।
કૂતરાને મોતે મરવું	कुत्ते की मौत मरना।
ક્રોધ ગળી જવો.	गुस्सा पीना।
કંઠ રૂંધાવો	घिग्घी बँधना।
કદમ ઉખડી જવા.	पैर उखड़ जाना।
કતરાતી આઁખે જોવું.	टेढी आँख से देखना।
કામ પડવું	पाला पडना।
કર્યું કારવ્યું ધૂળમાં મળવુ.	बना बनाया खेल बिगड़ जाना।
કસર કાઢવી	कसर निकालना।
કરમ ફૂટવુ.	करम फूटना।
કાતર જેવી જીભ ચલાવવી	कैंची-सी जबान चलाना।
ખાપણ સાથે લેવુ	कफन सर से बाँधना।
ખાસડાથી ખબર લઈ લેવી.	जूतों से खबर लेना।
ખોટી સહી કરવી.	खोटी सही करना।
ઘાલમેલ ગોટાળો કરવી	गोलमाल करना।
ગાડરીઓ પ્રવાહ	भेडियाधसान।
ગુસ-પુસ કરવુ	घुस-पुस करना।

ગળું પીસવું.	गला घोटना।
ગાગરમાં સાગર સમાવવો.	गागर में सागर भरना।
ગામ માથે કરવું.	घर सिर पर उठाना।
ગળું કાપવું	गला काटना।
ઘરમા ગંગા.	घर में गंगा।
ઘાટ ઘાટના પાણી પીવાં.	घाट घाट का पानी पीना।
ઘાણીનો બળદ.	कोल्हू का बैल।
ઘરનો માણસ.	घर का आदमी।
ઘા ચૂકી જવો.	दाँव चूकना।
ચીપી ચીપી ને વાત કરવી	चबा-चबा कर बातें करना।
ચત્તાપાટ પડવું	चारों खाने चित्त गिरना।
ચાડી ખાવી.	चुगली खाना।
ચૂં કે ચાં ન કરવું.	चूँ न करना।
ચૂડિઓ પહેરવી	चूड़ियाँ पहनना।
ચીથરે વીંટયુ રતન.	गुदड़ी का लाल।
ચાર આંખ થવી	आँखें चार होना।
છઠ્ઠીનું ધાવણ યાદ આવવું	छठी का दूध याद आना।
ઝખ મારવી.	झख मारना।
જોત જોતામા.	बात की बात में।
જીવમાં જીવ આવવો.	दममें दम आना।
જડબાતોડ જવાબ દેવો	मुँह तोड़ जवाब देना।
જીવ લઈ ને નાસવું.	प्राण लेकर भागना।
જમીન પર પગ ન ટકવો.	पाँव ज़मीन पर न टिकना।
જીવ ખાવો.	जान खाना।
જીવ મુઠ્ઠીમાં લેવો.	जान पर खेलना।
જમીન આસમાનનો ફેર.	ज़मीन आसमान का अन्तर।
ઝેરનો ઘૂંટડો પીવો.	जहर का घूँट पीना।
ઠાર મારવું	काम तमाम करना।

ડંલો દેખાડવો.	अँगूठा दिखाना।
ડૈયું કરવું.	डींग मारना।
ડહાપણ ડહોળવું.	टांग अड़ाना।
તેલ જોવું ને તેલની ધાર જોવી	तेल देखो तेलकी धार देखो।
તાવડી જેવું મ્હો.	तवे-सा मुँह।
થૂંકેલું ચાટવું.	थूककर चाटना।
દાંત ખાટા કરી નાંખવા.	दाँत खट्टे कर देना।
દાત પીસીને રહી જવું	दाँत पीसकर रह जाना।
દાળમા કાંઈક કાળુ.	दालमें कुछ काला।
દુધિયા દાત પણ ન પડવા.	दूधके दाँत न उखड़ा।
દીવોલઇને શોધવુ.	दिया लेकर ढूँढना।
દબાયલા પોપડા ઉખેડવા	गड़े मुर्दे उखाडना।
નહી ત્રણ માં, કે નહીં તેરમાં નહિ છપાન મેળમા.	न तीनमें न तेरहमें।
નાક કપાવું	नाक कटना।
નામ ભુંસાઈ જવુ.	नाम उठ जाना।
નવ્વાણુંનો ધક્કો લાગવો.	निन्नानबे के फेरमें पड़ना।
નાકમા દમ આવી જવો	नाक मे दम आ जाना।
નસીબ ઉઘડવુ.	तक़दीर खुलना।
નસીબ ફૂટી જવું	तक़दीर फूट जाना।
પાણીનો પરપોટો	पानी का बुलबुला।
પત્થરનું હૃદય.	पत्थर का कलेजा।
પસીનાથી રેબઝેબ થઇ જવું.	पसीना पसीना होना।
પાણીના મૂલ્યે.	पानी के मूल्य।
પીઠ થાપડવી.	पीठ ठोकना।
પેટનુ પાણી ન પચવું.	पेटका पानी न पचना।
બીડું ઝડપવું.	बीड़ा उठाना।
બાઘા થઇ જવુ	बगले झाँकना।

બંગડીઓ પહેરવી.	चूड़ियाँ पहनना।
બોલબાલા હોવી.	बोल बाला होना।
મરેલાને મારવું.	मरे को मारना।
મીઠું મરચું લગાડવું.	नमक मिर्च लगाना।
માટી ખરાબ કરી દેવી.	मिट्टी खराब करना।
મોમાં પાણી આવવું.	मुँहमें पानी भर आना।
મો બગાડવું.	मुँह बिगाड़ना।
મોઍ ચઢાવવું	मुँह लगाना।
માખી મારવી	मक्खियाँ मारना।
માઇનો પૂત.	माई का लाल।
મન મારી ને રહી જવુ.	कलेजा थाम कर रह जाना।
રામ કહાણી.	राम कहानी।
રંગ ઉતરી જવો.	रंग उतरना।
રૂંવા ઉભાં થવા.	रोंगटे खड़े होना।
રંગમાં ભંગ પડવો.	मजा किरकिरा होना।
રફૂ ચક્કર થઈ જવું.	रफूचक्कर होना।
લોઢાના ચણા ચાવવા	लोहे के चने चवाना।
લાબી પહોળી વાતો હાંકવી.	लम्बी-चौड़ी डींग हाँकना।
લોહી ને પસીનો એક થવો.	खून पसीना एक करना।
વાળ ધોળા થઈ જવા	बाल पकना।
વાતનું વતેસર કરવું.	बात का बतंगड़ करना।
વાળ પણ વાંકો ન થવો.	बाल भी बाँका न होना।
વટ પડી જવો.	सिक्का बैठना।
શેખી કરવી.	शेखी बघारना।
સનસનાટી પ્રસરી જવી.	सन्नाटा छा जाना।
સીધી રીતે વાત ન કરવી.	सीधे मुँह बात न करना।
સાંધે-સાંધા ઢીલા થઇ જવા.	अंग अंग ढीला होना।
સુકલકડી થઈ જવું.	पेट पीठ एक होना।

હાએ હા ભણવી.	हाँ में हाँ मिलाना ।
હવાઇ કિલ્લા બાંધવા	हवाई किले बनाना ।
હાડકા ભાગવા	हड्डियाँ तोड़ना ।
હોશ કોશ ઉડી જવા.	होश हवाश उड़ जाना ।
હાથ મારવો	हाथ रना ।
હોઇયાં કરી જવું.	हड़प कर जाना ।

कहावतें या કહેવતો

અધૂરો ઘડો છલકાય ઘણો.	अधजल गगरी छलकत जाय ।
અલ્પ જ્ઞાન અતિ હાણ.	नीम हकीम खतरे जान ।
આપ મુઆ પીછે ડૂબ ગઇ દુનિયા.	आप मरे जग में प्रलय ।
આપ મુઆ વિના સ્વર્ગે ન જવાય.	बिना अपने मरे स्वर्ग नहीं दिखता ।
આગળી આપતા પહોંચો જાય.	उँगली पकड़ते पहुँचा पकड़ता है ।
આખુ લેતા જાંખુ જાય.	आधी छोड़ एक को धावे । ऐसा डूबा थाह न पावे ।
આપ ભલા તો જગ ભલા.	आप भला तो जग भला ।
ઉતાવળા સો બાવરા	जल्दी का काम शैतान का ।
ઉલટો ચોર કોતવાળને દંડે.	उलटा चोर कोतवाल को डाँटे ।
ઉજ્જડ ગામમા એરંડો પ્રધાન.	अंधों मे काना राजा ।
ઉંબર પાર તે ડુંગર પાર.	आँख से दूर दिल से दूर ।
ઉતાવળે આંબા ન પાકે	हथेली पर सरसों नहीं जमती ।
એકને પાપે વહાણ ડૂબે	एक पापी नाव को ले डूबता है ।
એકની પાઘડી બીજાને માથે	बन्दर की बला तबेले के सिर ।
એક હાથે તાળી ન પડે	एक हाथ से ताली नहीं बजती ।
એક પંથ દો કાજ	एक पथ दो काज ।
એકજ વાડીના મૂળા.	एक ही थैली के चट्टे बट्टे ।
એક મરણિયો સૌને ભારી	मरता क्या न करता
કરણી તેવી ભરણી.	जैसी करनी तैसी भरनी ।

કાજી કયું દુબલે કે આખે શહેર કી ફીકર.	काजी क्यों दुबले, कि शहर के अंदेसे से ।
કુતરાની પુછડી વાંકીને વાંકીજ.	कुत्ते की पूंछ टेढी की टेढी ।
ક્યાં રાજા ભોજને ક્યાં ગાંગા તેલી	कहाँ राजा भोज और कहाँ गंगा तेली ।
કામથી કામ.	आम खाने से काम पेड़ गिनने से क्या ?
કડવું કારેલું ને લીમડે ચડ્યું	एक तो करेला दूसरे नीम चढा ।
કાપો તો લોહી નીકળે નહી.	काटो तो खून नही ।
કાળા અક્ષર ભેંસ બરાબર.	काला अक्षर भैंस बराबर ।
કોયલાની દલાલીમાં હાથ કાળા	कोयले की दलाली में हाथ काले ।
કેડે છોકરૂં ને ગામ શોધ્યું	बगल मे छोरा नगर ढिंढोरा ।
ખાડો ખોદે તે પડે.	जो गड्ढा खोदेगा वही गिरेगा ।
ખુદાએ બનાવી જોડી.	खूब मिलाई जोडी ।
મીયાં અંધા, બીબી બોડી.	एक अन्धा एक कोढी ।
ખોદવો ડુંગર ને મારવો ઉંદર.	खोदा पहाड़ निकली चुहिया ।
ખાલી ચણો વાગે ઘણો	थोथा चना बाजे घना ।
ગધેડો ગંગામાં નહાય તો પણ ઘોડો ન થાય.	गधा गंगा नहाने से घोडा नहीं होता ।
ગરજે ગધેડાને બાપ કહેવો પડે	मतलब के लिए गधे को बाप बनाते हैं ।
ગજે ભરે પણ તસુ કાડે નહિ	देना थोडा दिलासा बहुत ।
ગાજ્યા મેઘ વરસે નહિ	जो गरजता है सो बरसता नहीं ।
ઘરમાં વાઘ ને બહાર બકરી	घर में शेर बाहर गीदड ।
ઘી ક્યાં ઢોળાયું તો કહે ખીચડીમાં	घी कहाँ गया, खिचडी मे ।
ઘેર ઘેર માટીના ચુલા.	घर घर में मिट्टी के चूल्हे ।
ઘરના છોકરાં ઘંટી ચાટે ને ઉપાધ્યાયને આટો ભાવે.	दूलहाको पत्तल नहीं, बरातियों को भोग ।
ઘર ફુટે ઘર જાય.	घर का भेदी लंका ढावे ।
ચમડી તૂટે પણ દમડી ન છૂટે.	चमडी जाय पर दमडी न जाय ।
ચાર દહાડાનું ચાંદરણું ને ફિર	चार दिन की चाँदनी और फिर

અંધેરી રાત	अंधेरी रात ।
ચિતા કરતાં ચિન્તા કઠણ.	चिता मे चिंता बुरी है ।
ચોરનો ભાઈ ઘંટી ચોર.	चोर का भाई गंठकट ।
ચોરની દાઢીમાં તણખલું.	चोर की दाढ़ी में तिनका ।
ચોરી ને ઉપર શીર જોરી	चोरी और सीन जोरी ।
છાણના દેવને હીરાની આંખો	अरहर की टट्टी गुजराती ताला ।
જબ લગ સાંસ તબ લગ આશ	जब तक साँस तब तक आस ।
જેટલા મોં તેટલી વાત.	जितने मुँह उतनी बातें ।
જેની લાઠી તેની ભેંસ	जिसकी लाठी उसकी भैंस ।
જણના રીમાં જોર ન હોય તો દાયણ શુ કરે.	गवाह चुस्त मुद्दई सुस्त ।
જેની લાકડી તેનો વાંસો.	मियाँ की जूती मियाँ के सिर ।
જૂઠું તે કયા સુધી ટકે	झूठ के पाँव कहाँ ।
જર ચાહે સો કરે.	टके का सब खेल है ।
ટકાની ડોસી ને ઢબુ મુંડા પણ.	दमड़ी की बुढ़िया टका सिर मुँडाई ।
ટકાનુ ત્રણ સેર.	आँधी के आम ।
ડુબતો માણસ તણખલાને પકડે	डूबते को तिनके का सहारा ।
તરત દાન ને મહાપુણ્ય	तुरत दान महाकल्याण ।
તરણાં ઓથે ડુંગર	तिनके की ओट पहाड़ ।
તમારા મો મા ગોળ ધાણા	तुम्हारे मुँह में घी–शक्कर ।
દગો કોઈનો સગો નથી.	दगा किसी का सगा नही है ।
દમડી દમડી કરતાં રૂપીઓ થાય	हौज भरे तो फव्वारा छूटे ।
દેશ તેઓ વેશ	जैसा देश वैसा वेश ।
દોરડું બળે પણ વળ ન જાય	रस्सी जल गई पर ऐंठ न गई ।
દૂરથી ડુંગર રળિયામણા.	दूर के ढोल सुहावने ।
દૂધનો દાઝેલો છાશ ફુંકીને પીયે	दूध का जला छाँछ फूँककर पीता है ।
દીવાલને પણ કાન હોય છે.	दीवार के भी कान होते है ।
દીવા તલે અંધારું.	दीये तले अंधेरा ।

દાતારી દાન કરે ને ભંડારીનું પેટ ફુટે.	दाता दान करे भंडारी का पेट फटे ।
દરિયા માં ખસખસ.	ऊँट के मुँह में जीरा ।
ધોબીના કુતરો નહિ ઘરનો નહિ ઘાટનો.	धोबी का कुत्ता, न घर का, न घाट का।
નવો મુસલમાન વધારે વખત અલ્લા અલ્લા કહે.	नया मुसलमान अल्ला ही अल्ला पुकारता है ।
નસીબ ચાર પગલા આગળનું આગળ	तकदीर चार कदम आगे चलती है ।
નામ મોટાને ગુણ ખોટા.	नाम बड़े और दर्शन छोटे ।
નબળો માટી બૈયર પર શૂરો.	आप हारे बहू को मारे ।
નાને મોંએ મોટી વાત.	छोटे मुंह बडी बात ।
નહિ અહીંનો નહિ ત્યાંનો	न इधर के रहे न उधर के ।
નગારામાં પીપુડીનો અવાજ.	नक्कारखाने मे तूती की आवाज ।
નાચવું નહિ તેનું આગણુ વાંકુ	नाच न जाने आगन टेढा ।
નિર્બલનો બેલી ભગવાન.	निर्बल के बल राम ।
નાદાનની દોસ્તી અને જીવનું જોખમ	नादान की दोस्ती और जीका जंजाल।
નિર્દયનું હૃદય પીગળતું નથી	पत्थर को जोंक नही लगती ।
પહેલી મારે કદી ન હારે	पहले मारे सो मीर ।
પાણી પીને ઘર પુછવુ	पानी पीकर घर पूछना ।
પાપનો ઘડો ફૂટયા વિના રહે નહિ.	पापका घडा फूटे बिना नहीं रहता।
પોતાની માને કોઈ ડાકણ કહે નહિ.	अपनी माँको डाकन कौन कहे या लोग अपने दोष नहीं देखते ।
પંચ કહે તે પરમેશ્વર.	पंच परमेश्वर या पंचों की बात परमेश्वर की बात जैसी होती है ।
પાચ પંચની લાકડી ઔર એકકા બોજ.	सात-पाँच की लाकडी और एक जने का बोझ
પાંચે આંગલીઓ કંઈ સરખી હોતી નથી.	पाँचो उँगलियाँ बराबर नही होती ।

પટેલની ઘોડી પાદર સુધી.	मुल्लाकी दौड मसजिद तक ।
પરાધીન સ્વપ્ને પણ સુખી નહિ.	पराधीन सपने सुख नाहीं ।
પૈસાદારનું સહુ સગું ગરીબનું કોઈ નહિ.	सबै सहायक सबलके, कोउ न निबल सहाय
પાણીમા રહેવું ને મગર સાથેવેર.	पानी में रहकर मगर से वैर
પહેલું સુખ તે જાતે નર્યા	पहला सुख निरोगी काया ।
પાપડી ભેગી ઇયળ બફાવી.	आटे के साथ घुन भी पिस गया ।
બિલાડીને કહેસીં કુતુટતું નથી.	बिल्लीके कहने से सींका टूटता नहीं ।
બેઉ હાથમાં લાડવા છે.	दोनो हाथों में लड्डू हैं ।
બેઠા કરતાં બેગાર ભલો.	बैठे से बेगार भली ।
ભલાઈ કરવામાં પૂછવાનું શું.	नेकी और पूछपूछ ।
ભૂખે ભજાય નહિં ભગવાન.	भूखे भजन न होय गुपाला ।
ભસતા કૂતરાને ટુકડો રોટલો	भौंकते कुत्ते को रोटीका टुकड़ा ।
મન ચંગા તો કથરોટમાં ગંગા	मन चगा तो कठौतीमे गगा ।
માથે પડે ત્યારે ઉપાય સૂઝે	सिरपर पडने पर आटे दालका भाव मालूम होना ।
મુલતવી રાખવાનાં માઠા ફળ	कामको मुलतवी रखने से परिणाम खराब आता है ।
મુખમાં રામ બગલમા છૂરી	मुख मे राम बगल मे छुरी ।
મોર પીછાંને વળી ચીતરવાં શા.	मोर के पंखो को चितराना क्या ?
મરકટ ને વળી મદિરા પીધી	एक तो बन्दर, तिसपर शराब पी ।
લેને ગઈ પૂત ઓરખોઈ આઈ ખસમ	चौबेजी छब्बे होने गये दुबे रह गये ।
લપસ્યા તો કહે નહાવા પડ્યા.	रपट पड़े कि हर गंगा ।
લાગ્યુ તો તીર નહિં તો તુક્કો.	लगा तो तीर नही तो तुक्का ।
વર મરો કે કન્યા મરો ગોરનુ તરભાણું ભરો	बूढ़ा मरे या जवान, हमें काम से काम ।
વાવે તેવુ લણે	जैसा बोयेगा वैसा काटेगा ।
વૈદ નો વૈરી વૈદ	कण्टकेनैव कण्टकम् ।
વાકી આગલી વિના ઘીના નીકળે.	टेढ़ी उँगली बिना घी नही निकलता ।

વાંદરાના હાથમાં આરસી આપવી.	वंदर के हाथ मे शीशा देना ।
વંધ્યા શું જાણે પ્રસવ વેદના.	बाँझ प्रसूति की पीड़ा क्या जाने ?
શેર ને માથે સવાશેર.	सेर का सवा सेर
સુરજ ઉગ્યે દીવા શા કામના	भानु उगे दीपक केहि काम ।
સતી શાપ દે નહિં ને. શંખણીને શાપ લાગે નહિં.	सती शाप दे नही और दुष्टा का शाप लगता नही ।
સુરજ સામે ધૂળ નાંખિયે તો આંખમાં પડે.	सूरज के ऊपर धूल फेंकने से वह अपनी आँख में ही गिरती है ।
સો મણ સાબુએ ધૂવે તોએ સીદી ભાઈ કાળા ને કાળા.	धोये हू सौ बार के काजर होय न स्वेत ।
સોની ના સો ને લુહાર નો એક.	सौ सौ चोट सुनार की एक चोट लुहार की
સો દહાડા સાસુના તો એક દહાડો વહુનો	सौ दिन सास के तो एक दिन बहू के ।
સહુ પોત પોતાનાં ગીત ગાય.	अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग
સંઘર્યો સાપ પણ કામનો છે	सग्रह की हुई छोटी चीज़ भी काम में आती है ।
સોળવાલને એરતી સત્તર આના એ પાઈ.	बावन तोले पाव रत्ती ।
હંસની ચાલ ચાલવા જતા કાગડાની ભૂલ્યા.	कौआ हंस की चाल चला अपनी भी भूल गया ।
હાથીના દાત ચાવવાના જુદા ને દેખાડવાના જુદા	हाथी के दाँत खाने के और, दिखाने के और ।
હાથીના દંતૂશલ બહાર નીકલ્યા તે નીકળ્યા.	हाथी के दाँत बाहर निकल गये सो निकल गये ।
હીરાની કિંમત ઝવેરી કરે.	हीरा की परख जौहरी ही जानता है ।
હાથીની પાછળ કુતરાં ભસે	हाथी के पीछे कुत्ते भूँकते ही रहते हैं ।
હજામની જાનમાં બધાજ ઠાકુર.	नाई की बारात में जने-जने ठाकुर।
ઓલામાંથી ચૂલામા પડવું.	कढाई मे से निकला चूल्हे में गिरा ।
હાથ ચાટે પેટ નહિં ભરાય.	ओस चाटे प्यास नही बुझती ।

पत्रलेखन-पद्धति

गुजराती मे पत्र लिखने की प्रणाली हिन्दी से मिलती जुलती है। केवल सम्बोन्धन के शब्दों और अन्त के समय थोड़ा-सा अन्तर होता है, जिसका स्पष्टीकरण विभिन्न प्रकार के पत्रों के नमूने से हो जायगा। आज पत्र लिखने की प्राचीन प्रथा गुजराती में भी उठ गई है। अंग्रेजी का प्रभाव हिन्दी की भाँति उसपर भी गहरा है। कुछ दिन पहले पत्रो का क्षेत्र सीमित माना जाता था और घर के लोगो तथा परिचितो मे पारस्परिक कुशल-क्षेम पूछने तथा व्यापारियो में व्यापार सम्बन्धी कार्यों के लिए पत्र-व्यवहार होता था, परन्तु आज पत्रो का क्षेत्र बहुत व्यापक हो गया है। पं. जवाहरलाल नेहरू ने 'पिता के पत्र, पुत्री के नाम' पुस्तक मे पत्रो द्वारा ऐतिहासिक ज्ञान दिया है। अनेक मासिक-पत्रो में कहानी भी पत्र-प्रणाली मे लिखी मिल जायगी। इस व्यापकता का कारण है—पत्र की सरल भाषा और स्वाभाविक विचार-प्रदर्शन तथा उसमें प्रतिबिम्बित लेखक का निजी व्यक्तित्व। पत्र लिखते समय विचार-प्रदर्शन मे कोई आडम्बर नहीं रखा जाता। जिसको पत्र लिखा जाता है, उसको अपना ही एक अंश समझ कर पत्र लिखा जाता है। इसलिए किसी प्रकार की शिष्टाचार पूर्ण बात न लिखकर अपने भावो को व्यक्त कर दिया जाता है। आज बड़े-बड़े लेखकों के पत्र-साहित्य की अमूल्य निधि माने जाते है, क्योकि उनमें उनके घरेलू जीवन का स्वरूप देखने को मिलता है। अस्तु—

पत्र लिखते समय शिष्टचारपूर्ण भाषा न लिखना चाहिए, क्योकि उससे बनावट आ जाती है। व्यर्थ की बाते न लिखकर संक्षेप में भाव व्यक्त करने चाहिए। सबसे बडी बात यह होनी चाहिए कि उसमे लिखने वाले का हृदय झलक उठे। यदि ऐसा होगा तो पत्र उत्तम गिना जायगा। अथवा वह पत्र न होकर अपनी आडम्बरप्रियताका नमूना हो जायगा। नीचे कुछ पत्र दिए जा रहे हैं, जिनसे पाठको को गुजराती पत्र-लेखन-पद्धति का ज्ञान हो जायगा।

૧--મિત્રને પત્ર

આગરા
૨૦-૫-૪૭

પ્રિય ભાઈ બાબુ

તારો પત્ર નથી. મને ચિંતા થાય છે કે તારી તબિયત ઠીક ન હોવી જોઈએ. આ પત્ર મળ્યે તું તારી કુશળતાના સમાચાર લખશે એવી આશા રાખું છું.

હુ તને ઘણા વખત થી કહેતો આવ્યો છું કેશરીર ને ભોગે અભ્યાસ તરફ વધારે પડતું ધ્યાન આપવું, એ ખરેખર નુકસાન કારક છે. તારી શાળા મા તો રમન ગમત તરફ ખાસ ધ્યાન આપવામાં આવે છે અને ત્યાં સારી સારી મેદાની રમતો રમાય છે, એ મે ત્યા જોયેલુ.

હુ ઇચ્છું છુ કે બહુ ભારે નહિ એવી, સમૂહમા રમાતી સાધારણ રમતોમાં તું ભાગ લે તો ઠીક, એમાં શરૂઆતમા તને રસ ન પડે તે બનવા જોગ છે. પરંતુ જેમ જેમ તરું શરીર સુધરતું જશે, તેમ તને તેનો શોખ લાગશે, તે રમવા જવાનું શુરૂ કર્યું છે એમ તારા હવેના પત્રથી જાણીને મને ખૂબ આનંદ થશે

લિ. સ્નેહાધીન
સુરેન્દ્ર

૨—સખીને પત્ર

પ્રિય બહેન ગીતા.

આવતી રજા દરમ્યાન દિલ્લીમા સ્વદેશી વસ્તુઓનુ પ્રદર્શન ભરાવાનુ છે, એમ તારા પત્ર થી જાણ્યુ.

મને ૫ દરમી તારીખથી રજા પડશે આ વખતે મે કાકા ને ત્યા જવાનો વિચાર રાખ્યો નથી આ રજાના દિવસોમાં તારે ત્યાજ આવીશ. જેથી પ્રદર્શન તથા દિલ્લીની સહેલ નો લાભ મળે

હુ ધારું છું કે આપણને આ વખતે ખૂબ મઝા પડશે. હું મારો કેમરા સાથે લેતી આવીશ.

લિ
વાસન્તી

૩—પિતાને પત્ર

પાઠક ફળિયું,
બારડોલી
૧૫-૧-૪૯

પૂજ્ય પિતાજી,

તમારો પત્ર મળ્યો; વાચી જાણ્યું કે તમે પંદર દિવસ પછી મુંબઈનુ કામ પુરું કરીને અહીં આવનાર છો.

તમે મુંબઇ ગયા ત્યારે એક વાત કહેવાની હું ભૂલી ગયો હતો, મારે એક ફાઉન્ટન પેનની જરૂર છે; તેથી તમે પાછા આવો, ત્યારે દયાળબાગની બનાવટની એક સ્વદેશી પેન લેતા આવજો મને રંગ બેરંગી પેન ગમતી નથી. તેથી કોઇ પણ એક સાદોરંગ પસંદ કરશો પેનની જીભી તીણી અણિવાળી હોય તે જોશો

અહીં સર્વે મજામાં છે.

લિ
રમેશ ના પ્રણામ

૪—પુત્ર ને પત્ર

૫૫, વાલકેશ્વર રોડ,
મુંબઈ
૧૭-૧-૪૯

ચિ રમેશ,

તારો પત્ર મલ્યો. તમે બધા કુશલ છો જાણી સંતોપ થયો તારા લખ્યા પ્રમાણે તારે માટે હુ એક ફાઉન્ટન પેન લેતો આવીશ. હુ જયારે મુંબઈ આવવા નીકળ્યો. ત્યારે સ્ટેશન ઉપર તારી મોટી બેને તેને માટે એક સાડી લાવવા કહ્યુ હતું. કેવા રંગની સાડી લાવવા માટે મને કહેલું, તે યાદ રહયું નથી, તેથી સાડી વિશે પૂરેપૂરી વિગત લખી જણાવવા તું તેને કહેજે. ગયું અઠવાડિયુ મોટા કાકા સાથે ખૂબ ધમાલમાં ગયુ અને હજીયે ધમાલ ચાલુ છે.

લિ
મગનલાલ ના આશિષ

૫—વેપારીને પત્ર

નવાગામ
તા. ૨૦-૧-૩૯

શ્રી વ્યવસ્થાપક,

નવીન પુસ્તક ભંડાર, સૂરત

સવિનય જણાવવાનું કે નીચે લખેલાં પુસ્તકો બનતી ઉતાવળે વી. પી. પારસલ થી ઉપરના સરનામે મોકલી આપશો.

સાહિત્ય પાઠાવલિ—ભા ૧, નકલ ૨

હિંદનો સરળ ઇતિહાસ—નકલ ૨

એવી ઓકસાઇથી પેકિંગ કરજો કે પુસ્તકો બગડે નહિ, અને રીતસરનુ વળતર આપશો.

લિ.
અરવિંદ રામચંદ્ર દેસાઈ

૬—પોસ્ટમાસ્તરને પત્ર

ધંધુકા
તા ૭-૧-૪૯

મહેરબાન પોસ્ટમાસ્તર સાહેબ,

પોસ્ટ ઑફિસ, ધંધુકા

સવિનય જણાવવાનું કે હું મે માસની ઉનાળાની રજાઓ દરમ્યાન મારા કાકાને ત્યા અમદાવાદ રહેવા જનાર છું. મારા નામનું એક માસિક આવે છે તે, અને બીજા કોઈ પત્રો હોય તો તે, નીચેને સરનામે મોકલી આપવા મહેરબાની કરશો.

જગદીશચંદ્ર નવનીતલાલ પારીખ,
શ્રી દોલતભાઇ ઇચ્છારામ પારીખને ત્યા,
પ્રીતમનગર, અમદાવાદ

લિ
જગદીશચંદ્ર પારીખ

૭—મિત્રને પત્ર

ગોપીપુરા, સુરત.
૩૧ માર્ચ, ૧૯૩૯

પ્રિય ભાઈ સુમંત,

આવતા રવિવારે મારી વરસગાંઠ છે. તે દિવસે તું મારે ત્યાં જમે એવી પૂજ્ય બાની અને મારી ઇચ્છા છે રવિવારે નવ વાગે તુ. જરૂર આવી જે. તારા આવવા થી અમને બધાંને ખૂબ આનંદ થશે.

લિ. તારો,
અરવિંદ

૮—શહેરમાં રહેનાર એક છોકરો ગામડામા પોતાના મામાને ત્યાં રજા ગાળવા જાય છે. ત્યાંથી તે પોતાની બેન પર પોતાના અનુભવનો પત્ર લખે છે.

કુંદનપુર,
૧૦–૫–૩૯

પ્રિય બેન સાધના,

હુ મુબઈથી નીકળ્યો, ત્યારે તે કહયું હતું, "હરીન્દ્ર તુ ગામ જાય છે, પણ ત્યા તને ગમશે નહિ" પણ તારી વાત ખોટી પડી! અહી આવ્યાને આઠ દિવસ તો થઈ ગયા. વખત તો જાણે પાણીના રેલાની માફક વહી જાય છે.

હુ જ્યારે કુંદનપુરને સ્ટેશને ઉતર્યો, ત્યારે મામાનો રમેશ મને લેવા આવ્યો હતો. કેટલું શાંત સ્ટેશન! મુબઇની ધમાલ અહી મળેજ નહિ. સ્ટેશન થી બહાર નીકળી અમે એક લાંબા ગાડામા બેઠા. ત્યારે મને ખૂબ હસવુ આવ્યું, હાંકનાર બળદના પૂછડા આમળતો જાય, અને વિચિત્ર વાતો કરી હસાવતો જાય

રસ્તામાં નદી આવી તેને કાઠે અમે ઉતર્યા અને પાણી પીધું આસ-પાસ લીલાં છમ ઝાડો અને મધુર ગીત ગાતા પંખીઓ! આ બધું મે તો પહેલીજવાર જોયું. અહા, કેટલો આનંદ થયો હતો! ઘેર પહોચ્યા

ત્યારે મામાએ બહુજ હેતથી મને બોલાવ્યો અહીનું ઘર કેવડું મોટું ? ક્યાં મુંબઇનું ચકલીના માળા જેવડું આપણું ઘર અને ક્યા આ ? જ્યાં જુઓ ત્યાં જગ્યાં જ જગ્યા ! ઘરની આસપાસ મોટો વાડો અને તેમાંયે જુદાં જુદાં લીલાં ઝાડો, કોઇ આંબો, કોઇ બોરડી, તો કોઇ જમરૂખી, આ આઠ દિવસમા મે કેટલાં મીઠાં મધજેવાં બોર ખાધા તે ગણવા બેસુ તો ગણાય પણ નહિ કાલે મામાએ કહ્યું કે હરીન્દ્ર મુંબઇ જાય, ત્યારે સાધનાને માટે એક ટોપલી બોર લઇ જજે. બેન, આપણા મામા તે મામા જ.

ગઇ કાલે અમે બધાં પોંક ખાવા ગયા હતાં. મુંબઇની જેમ અહી હોટલમાં બેસી ખાવાનું હોતું નથી. ખુલ્લા ખેતરમાં અમે ગરમાગરમ પોંક ખાધો કેવી મજા પડી ! સવારે હું ફરવા જાઉ છું અને ખેડુતોને કામ કરતા જોઉ છું, અને સાંજે નદી કાંઠે ગામના છોકરા સાથે રમું છું

બેન, હું રજા પૂરી થતા મુંબઇ આવીશ ત્યારે આપણે ઝરૂખામાં., મંડળ આગળ બધી વાત કરીશ. તમને એવી મજા પડશે કે તમે સાંભળતા સાંભળતાં ખાવાનુ પણ ભૂલી જશો એજ

લિ. તારો
હરીન્દ્ર

૯—શહેરનો અનુભવ વર્ણવતો પત્ર

વિઠ્ઠલભાઇ પટેલ રોડ,
મુંબઇ
૧૫-૧૧-૩૯

પ્રિય ભાઇ સુમંત,

મને આપણા ગામથી અહી આવ્યાને લગભગ એક અઠવાડિયું થઇ ગયુ. તને પત્ર લખતા વિલંબ થયો, તેથી ગુસ્સે થઇશ નહિ સાચું કહુ તો મને અહી નવરાશ મળતીજ નથી. મારા કાકાના દીકરા, મોહન સાથે હું જમીને શહેરમાં ફરવા નીકળી જાઊં છું, તે સાંજે આવું છું. ઘણું ખરુ મેં મુંબઇ જોઇ કાઢ્યું એમ કહી શકાય, પરંતુ હું તેથી તેના ખૂણે ખૂણાનો ભોમિયો થઇ ગયો એમ કહેવા માગતો નથી.

અહી શરૂઆતમાં મને કેટલીક મૂંઝવણો લાગ્યા કરી. હું રહું તે ચાર મજલાનું મકાન છે તેના દરેક મજલા ઉપર ૫૦ ઓરડાઓ છે, એ દરેક ઓરડામાં એક એક કુટુંબ રહે છે. મારા કાકા પાસે એવા બે ઓરડાઓ છે, તો પણ મને અહી બહુજ સંકડામણ લાગે છે. આ બધા લોકો એવી સાંકડી જગ્યામાં કેમ રહેતા હશે.

ઘણા કુટુંબો એકજ મકાનમાં રહે તેથી ઘોંઘાટ, ધમાલ, ગંદકી થાય, એ બધુ પહેલાં તો અસહ્ય લાગે હવે કંઇક હું ટેવાયો છુ પરંતુ ગામડાની મોકળાશ, ખૂલ્લી હવા, અને આકાશ એના તો અહીં સાસાંજ સમજવાં.

શહેરના રસ્તા પર પણ વાહનો અને માણસોની એટલી બધી ગીરદી હોય છે કે રસ્તામાં પણ સાવધાની પૂર્વક ચાલવાનુ, જરા ગફેલ થઇએ તો મોટર તળે આવીજ ગયાં સમજવું. છતા અહી ટ્રામમા, મોટર બસમા, કે વિજળીથી ચાલતી ગાડીમા ફરવાનું, બંદરમા બોટની સહેલગાહ કરવાની અને દરિયા કિનારે લટાર મારવાની મજા આવે છે, એ વાત મારે સ્વીકારવી જોઇએ

ગઇ કાલે અમે એક ચિત્રપટ જોવા ગયા હતા. મને થયું તું મારી સાથે હોત તો કેવુ ! આવતી રજામાં હું તને સાથે લેતો આવીશ.

હું આવતા સોમવારે ગામ આવીશ, ત્યારે બીજી વાતચીતો કરીશું.

લિ. સ્નેહાધીન

રમેશ

૧૦—પિતાનો પુત્રનો પત્ર

નૂતન છાત્રાલય,

અમદાવાદ, ૧૬–૧૨–૩૯

પૂજ્ય બાપુજી,

તમારો પત્ર મળ્યો છમાસિક પરીક્ષામા હું પહેલે નબરે પાસ થયો છું. પરિણામપત્ર મળતાં, હુ તે મોકલી આપીશ આઠ દિવસ પછી અમને નાતાલની રજા પડશે. આ રજાઓમાં, અમને આબુ વગેરે સ્થળોએ ફરવા

લઈ જવાનો કાર્યક્રમ અમારી શાળાના આચાર્યે ગે ઠવ્યો છે જેની એમાં ભાગ લેવાની મરજી હોય, તેણે નામ નોંધાવવાના છે મારો વિચાર એ પર્યટનમાં જવાનો છે. કારણ કે અમારા આચાર્યનો ખૂબ આગ્રહ છે તેઓ કહે છે કે આ પર્યટન દ્વારા વિદ્યાર્થિને ખૂબ જાણવાનુ મળશે. અમારી સાથે શિક્ષકો પણ આવનાર છે. એટલે કંઇ તકલીફ પડે એમ નથી, અને વધુમાં અમારા પર તેમનો કાબૂ રહેશે

તમે જો રજા આપો તો હુ પણ નામ નોંધાવું. વળતી ટપાલે જવાબ આપશો એવી આશા છે.

શોભા અભ્યાસમાં કેમ ચાલે છે ? તેને હું ખૂબ યાદ કરું છું. માને મારા પ્રણામ કહેશો.

લ દિનકરના પ્રણામ

૧૧—પટેલને અરજી

નડિયાદ,

મહેરબાન માણેકપુર ગામના પટેલ સાહેબ

હું અહીની હાઇસ્કૂલમાં અંગ્રેજી ત્રીજા ધોરણમાં અભ્યાસ કરું છુ મેં માધ્યમિક શાળાની શિષ્યવૃત્તિ માટે અરજી કરી છે. એ અરજી સાથે હું બ્રિટિશ હદનો વતની છુ. એવી મતલબનો ગામના પટેલની સહી સિક્કા વાળો દાખલો રજૂ કરવાની જરૂર છે.

તેથી હું આપને વિનતી કરું છું કે બનતી ઉતાવળથી આપ ગામની જન્મનોંધના ચોપડાને આધારે, હુ બ્રિટિશ હદમાં જન્મ્યો છુ અને એ ગામનો વતની છુ એવી મતલબનો દાખલો ઉપરને સરનામે મોકલી આપવા મહેરબાની કરશો.

મારે આવતા અઠવાડિયા દરમ્યાન અરજી કરવાની છે, તો દાખલો વેળાસર મળે એવી વ્યવસ્થા કરશો

લિ. સેવક

નર્મદાશંકર મ ત્રિવેદી

૧૨—એક વેપારીનો બીજા વેપારીને પત્ર

કટલરી બજાર
રામપુર
૧૬–૧૨–૩૯

મહેરબાન શેઠ અબદુલ્લા કાસમ ભાઈ

તમે મોકલાવેલી રેલ્વે રસીદ કાલે મળી આજે અમે માલ છોડાવ્યો છે, પણ બધી પેટી ખોલી જોતા તમે મોકલાવેલા માલમાં કંઇ ભૂલ થઇ હોય એમ લાગે છે. અમારી માગણી પ્રમાણે માલ આવ્યો નથી. માલમાં બીજી વસ્તુઓ ઉપરાંત અમે બે પેટી હાથી છાપ કાતરની મંગાવી હતી, તેને બદલે સિંહ છાપ કાતરની બે પેટીઓ આવી છે. અમને લાગે છે કે આ પેટી મોકલવામા કંઈ ભૂલ થઈ છે આપ એ બાબતમાં તપાસ કરી અમારી માગણી પ્રમાણે માલ મોકલવાની વ્યવસ્થા કરશો, અહી આવેલી પેટીઓને બંદોબસ્ત તમે કહેશો તેમ કરીશ

જેમ બને તેમ માલ મોકલવાની ઉતાવળ કરશો હમણાં ઘરાકી ઘણી છે, એટલે એની ઉતાવળ છે. પત્ર વળતી ટપાલે લખશો.

લિ.
ઠાકોરદાસ રગીદાસ દલાલ

संक्षिप्त शब्दकोश

संख्या

૧ એક	एक	૮ આઠ	आठ
૨ બે	दो	૯ નવ	नव
૩ ત્રણ	तीन	૧૦ દસ	दस
૪ ચાર	चार	૧૧ અગિયાર	ग्यारह
૫ પાંચ	पाँच	૧૨ બાર	बारह
૬ છ	छः छै	૧૩ તેર	तेरह
૭ સાત	सात	૧૪ ચૌદ	चौदह

૧૫	પંદર	पन्द्रह	૪૪	ચુમાલીસ	चवालीस
૧૬	સોળ	सोलह	૪૫	પીસતાલીસ	पैंतालीस
૧૭	સત્તર	सत्रह	૪૬	છેતાલીસ	छियालीस
૧૮	અઢાર	अठारह	૪૭	સુડતાલીસ	सैंतालीस
૧૯	ઓગણીસ	उन्नीस	૪૮	અડતાલીસ	अड़तालीस
૨૦	વીસ	बीस	૪૯	ઓગણપચાસ	उनचास
૨૧	એકવીસ	इक्कीस	૫૦	પચાસ	पचास
૨૨	બાવીસ	बाईस	૫૧	એકાવન	इक्यावन
૨૩	તેવીસ	तेईस	૫૨	બાવન	बावन
૨૪	ચોવીસ	चौबीस	૫૩	ત્રેપન	तिरेपन
૨૫	પચીસ	पच्चीस	૫૪	ચોપન	चौपन
૨૬	છવ્વીસ	छब्बीस	૫૫	પંચાવન	पचपन
૨૭	સત્તાવીસ	सत्ताईस	૫૬	છપ્પન	छप्पन
૨૮	અઠ્ઠાવીસ	अट्ठाईस	૫૭	સત્તાવન	सत्तावन
૨૯	ઓગણત્રીસ	उन्तीस	૫૮	અઠ્ઠાવન	अट्ठावन
૩૦	ત્રીસ	तीस	૫૯	ઓગણસાઠ	उनसठ
૩૧	એકત્રીસ	इकत्तीस	૬૦	સાઠ	साठ
૩૨	બત્રીસ	बत्तीस	૬૧	એકસઠ	इकसठ
૩૩	તેત્રીસ	तेतीस	૬૨	બાસઠ	बासठ
૩૪	ચોત્રીસ	चौतीस	૬૩	ત્રેસઠ	तिरेसठ
૩૫	પાંત્રીસ	पैतीस	૬૪	ચોસઠ	चौसठ
૩૬	છત્રીસ	छत्तीस	૬૫	પાંસઠ	पैंसठ
૩૭	સાડત્રીસ	सैंतीस	૬૬	છાસઠ	छियासठ
૩૮	આડત્રીસ	अड़तीस	૬૭	સડસઠ	सड़सठ
૩૯	ઓગણચાલીસ	उन्तालीस	૬૮	અડસઠ	अड़सठ
૪૦	ચાલીસ	चालीस	૬૯	ઓગણોતર	उनहत्तर
૪૧	એકતાલીસ	इकतालीस	૭૦	સિત્તેર	सत्तर
૪૨	બેતાલીસ	बयालीस	૭૧	એકોતેર	इकहत्तर
૪૩	તેંતાલીસ	तेतालीस	૭૨	બોતેર	बहत्तर

૭૩ તોતેર	तिहत्तर	એકમ	इकाई
૭૪ ચુંમોતેર	चुहत्तर	દશક	दहाई
૭૫ પંચોતેર	पचहत्तर	સો	सैकड़ा
૭૬ છોતેર	छिहत्तर	હજાર	हज़ार
૭૭ સિત્તોતેર	सतहत्तर	લાખ	लाख
૭૮ ઇઠ્ઠોતેર	अठहत्तर	કરોડ	करोड़
૭૯ ઓગણુયાએંશી	उन्यासी	અબજ	अरब
૮૦ એંસી	अस्सी	ખર્વ	खरब
૮૧ એક્યાસી	इक्यासी	—	
૮૨ બ્યાસી	ब्यासी	પહેલો	पहला
૮૩ ત્યાસી	तिरासी	બીજો	दूसरा
૮૪ ચોર્યાસી	चौरासी	ત્રીજો	तीसरा
૮૫ પંચ્યાસી	पिचासी	ચોથો	चौथा
૮૬ છ્યાસી	छियासी	પાંચમો	पांचवाँ
૮૭ સત્યાસી	सतासी	છઠ્ઠો	छठा
૮૮ ઈઠયાસી	अठासी	સાતમો	सातवाँ
૮૯ નેવ્યાસી	नव्वासी	આઠમો	आठवाँ
૯૦ નેવું	नव्वै	નવમો	नौवाँ
૯૧ એકાણુ	इक्यानबे	દસમો	दसवाँ
૯૨ બાણું	बानवै	અગિયારમો	ग्यारहवाँ
૯૩ ત્રાણું	तिरानवै	—	
૯૪ ચોરાણું	चौरानवै	બન્ને	दोनो
૯૫ પંચાણું	पंचानबै	ત્રણે	तीनो
૯૬ છન્નુ	छियानबै	ચારે	चारो
૯૭ સત્તાણુ	सतानबै	પાચે	पाँचो
૯૮ અઠ્ઠાણુ	अठानवै	છએ	छहो
૯૯ નવ્વાણું	निन्यानवै	સાતે	सातों
૧૦૦ સો	सौ	આઠે	आठो
—		નવે	नौओ

સે	[illegible]

પા	पाव, चौथाई
અડધો	अद्धा
પોણો	पौना
સવા	सवा
દોઢ	डेढ़
પોણા બે	पौने दो
સવા બે	सवा दो
અઢી	ढाई
સાડાત્રણ	साढ़े तीन

એકવડું	इकहरा
બેવડું	दुहरा
ત્રેવડું	तिसरा
ચોવડું	चौहरा

બમણું	दूना
ત્રમણું	तिगुना
ચોગણું	चौगुना
પાંચગણું	पचगुना

---

०) ०	પાઆનો	)।	पाव आना
०) ०॥	અડધો આનો	)॥	आधा आना
०) ०॥।	પોનો આનો	)॥।	पौन आना
०)-	એક આનો	-)	एक आना
०)-।	સવા આનો	-)।	सवा आना
०)=	બે આના	=)	दो आना
०)≡	ત્રણ આના	≡)	तीन आना
०।	ચાર આના	।)	चार आना
०।-	પાચ આના	।-)	पाँच आना
०॥	આઠ આના	॥)	आठ आना
०॥।	બાર આના	॥।)	बारह आना
१)	એક રૂપિયો	१)	एक रुपया

પાઈ	पाई, छदाम
દોઢ પાઈ	धेला, अधेला
ટબ્બુ	अधन्ना
એક આની	इकन्नी
બે આની	दो अन्नी
પાવલી	चौअन्नी
અડધો	अठन्नी
ગેણી, ગિની	गिन्नी

शरीर के भाग

અંગૂઠો	अँगूठा
આતરડું	आँत
આસું	आँसू
આંગળી	उँगली
આંચલ	स्तन
અવાળુ	मसूढा
આંખની ભમર	भौह
અંબોડો	जूड़ा
આખની કીકી	आँख की पुतली
કાનપટ્ટી, લમણુ	कनपटी
કલેજુ	कलेजा

કાંડું	कलाई	નસકોરું	नकुआ
ફૂલો	नितब	નખ	नाखून
કોણી	कुहनी	પૂંછડી	दुम, पूंछ
કેડ	कमर	પરસેવો	पसीना
કોથળી	फोता	પાંસળી	पसली
કરોડ	रीढ	પગ	पैर
કપાળ	ललाट	પાંપણ	बरौनी
કફ	कफ, श्लेष्मा	પાંસુ	करवट
ખભો	कन्धा	ફેફસું	फेफड़ा
ખોપરી	खोपड़ी	બગાસું	जँमुहाई, जँभाई
ખોળો	गोद	બગલ	काँख
ગળું	गला, कंठ	બોચી	गर्दन
ગળાનો કાકડો	कौआ	ભુજા	हाथ, बाँह
ઘૂંટણ	घुटना	મુક્કો	घूँसा
ચામડું	चमड़ा	મગજ	दिमाग़
ચોટલી	चोटी	મોઢું	मुँह
ચરબી	मेदा, चरबी	મુડદું	मुर्दा
ચહેરો	चेहरा	માથું	सिर
જાંઘ	जँघा, जाँघ	મૂછ	मूँछ
જડબું	जबड़ा	રૂંવાડું	रोआँ
જીભ	ज़बान	લોહી	खून
જીવ	जी	લાળ	लार
ટચલી આંગળી	छिगुनी उँगली	વીર્ય	वीर्य, शुक्र
તમાચો	चपत	વાળની સેર	वेणी
થપ્પડ	थप्पड़	વાળ	बाल
દાઢી	ठोढ़ी, ठुड्डी	વેઢો	पोर
નસ, નાડી	धमनी	વિષ્ટા	मल
નસકોરી	नकसीर	શ્વાસ	साँस

હેડકી	हिचकी
હાડકું	हड्डी
હાડ પિંજર	ठठरी
હડપચી	ठोढी

कपड़े (पोशाक)

અચકન	अचकन
અંગરખું	जामा
કફની	कुर्ता
કામળો	कंबल
કાનટોપી	कनटोप
કાછડી	काछ
ખમીસ	कमीज़
ગલપટો	मफलर गुलुबंध
ગરમ કાપડું	ऊनी कपड़ा
ગજવું	जेब
ઘરેણું	गहना
ઘાઘરો	लहँगा
ચોળી	अंगिया
ચણિયો	पेटीकोट, घाघरा
ચાદર	चद्दर
જોડા	जूता
જાડું કપડું	मोटा कपडा
દુપટ્ટો	दुपट्टा
ધોતિયું	धोती
નાડું	नाड़ा इजारबन्द
પહેરણ	कुरता
પાઘડી	पगड़ी
પાટલૂન	पतलून
પાયજામો	पायजमा
ફેંટો	साफ़ा
બારીક કપડું	झीणुं कपड़ा
બંડી	बनियान
બાય	आस्तीन
રજાઈ	लिहाफ़, रजाई
સુતરાઉ કપડું	सूती कपडा

घर की चीज़ें आदि

આંગણું	आंगन
આરસી	शीशा
ઓશીકું	तकिया
અગરબત્તી	ऊदबत्ती, अगरबत्ती
ઓરડી	कोठरी
ઉંબરો	देहली
કાંસકી	कंघी
કૂંજો સિરાઈ	कुंजा–सुराही
કમાડ, બારણું	किवाड़
કઢાઈ પેણી	कड़ाई
કંદોરો	करधनी
કાતર	कैंची
કોથળો	थैला
કડછી	करछुली, चम्मच
કૂંચી	कुंजी चाबी
ખુરસી	कुर्सी
ખાટલો	चारपाई
ખાંડણીઓ	ओखली

ખાટલાની પાટી	निवाड	બારી	खिड़की
ગાલીચો	कालीन, गलीचा	બાજ, પતરાળી	पत्तल
ગાદી	गद्दी	બારણાનું ચોકઠું	चौखट
ગલેફ	गिलाफ़	મીણ	मोम
ગોળ તકિયો	गेडुआ	મીણબત્તી	मोमबत्ती
ચીપીઓ	चिमटा	રવાઇ	मथानी
ચપ્પુ	चाकू	વળગણી	अरगनी
ચાળણી	चलनी	વાડકી	कटोरी
ચશ્મા	चश्मा, ऐनक	વાસણ	बरतन
જાજરૂ	पाखाना	શેતરંજી	दरी
છાણ	गोबर	સાવરણી	झाड़ू, सोहनी
છત્રી	छाता	સાંબેલું	मूसल
છરી	छुरी	સાંકળ	साँकली
છબી	तसवीर	સૂપડું	सूप
ટોપલી	टोकरी	હાંડી	हाँडी हँडिया
ઠાઠડી	ठठरी, अर्थी		—
ઢીંગલી	गुड़िया		**पशु**
ઢીંગલો	गुड्डा	આખલો	साँड
દડિયો	दोना	ઉંદર	चूहा
દીવાલ	दीवार	કૂતરો	कुत्ता
દીવાસળી	दियासलाई	કૂતરી	कुतिया
દીવો	दिया, चिराग	કુરકુરિયું	पिल्ला
દડો	गेंद	ગધેડો	गधा
દળવાની ઘંટી	चक्की	ગધેડી	गधी
દરવાજો	फाटक	ઘોડો	घोड़ा
દીવાની શગ	दीये की लौ	ઘોડી	घोड़ी
પથારી	बिस्तर	ઘેટું	भेड़
પડદો	परदा, चिक	ચિત્તો	चीता

પશુ	चौपाया
પાડો	भैंसा
બિલાડી	बिल्ली
બિલાડો	बिलाव
બળદ	बैल
ભેંસ	भैंस
વાછરડો	बछड़ा
વાછરડી	बछिया
વાંદરો	बन्दर
વરુ	भेड़िया
શીંગડું	सींग
સિંહ	शेर
સિંહણ	शेरनी
હાથણી	हथिनी
હાથી	हाथी
હરણ	हिरन
હરણી	हिरनी

—

कीड़-मकोड़े और पक्षी

આગીઓ	जुगनू
ઈંડુ	अण्डा
ઉધઈ	दीमक
કાગડો	कौवा
કીડી	चींटी
પતંગિયું	तितली
કંસારી	झींगुर
કકાકૌઆ	काकातूआ
કિલ્લું, ઘણ	घुन
ખિસકોલી	गिलहरी
ઝરોળી	छिपकली
ગીધ	गिद्ध
ઘુવડ	उल्लू
ચકલી	चिड़िया
ચાંચડ	पिस्सू
ચાંચ	चोंच
છીપ	शीप
જળો	जोंक
ટિટોડી	टिटिहरी
તેતર	तीतर
તીડ	टिड्डा
દેડકો	मेंढक
પોપટ	तोता
પારેવું	कबूतर
પંખી	पक्षी
પાંખ	पंख
બગલું	बगुला
બતક	बतख
ભમરી	बर्र, ततैया
ભમરો	भौंरा
મરઘો, કુકડો	मुर्गा
મરઘી, કુકડી	मुर्गी
શાહમૃગ	शुतुर्मुर्ग
સાપ	साँप

—

खाद्य पदार्थ

અનાજ	नाज, अनाज

અથાણું	अचार	મીઠું	नमक
આદુ	अदरक	મરચા	मिर्च
એલચી	इलायची	માખણ	मक्खन
અબોટ, રસોડું	चौका	મગ	मूंग
ઓસામણ	चावल का माड	રોટલી	रोटी
અડદ	उर्द, उड़द	લવીંગ	लौंग
કાથો	कत्था	વરિયાળી	सौंफ
કડછી	कलछी	શાક	साग, शाक
કોળીઓ	कौर	સૂંઠ	सोंठ
ખાંડ	शक्कर	સાકર	मिश्री
ખાટિયું	खटाई, अमचूर	સાથવો	सत्तू
ગોળ	गुड़	હળદર	हल्दी
ઘઉ	गेहूँ		
ચણા	चना		
ચવેણું	चवेना		
ચા	चाय		
ચોખા	चावल		
ચીરી	फांक		
છાશ	छाछ		
જુવાર	ज्वार		
જીરૂં	जीरा		
જવ	जौ		
તાસક	तश्तरी		
તાસળું	तसला		
દારૂ	शराव		
ધાણા	धनिया		
ધુમાડો	धुआँ		
બાજરી	बाजरा		

वृक्ष-लता और शाक-भाजी तथा फल

આમળું	आँवला
આમલી	इमली
કેરી	आम
કાંદો	प्याज
કાકડી	ककड़ी
કળી	कली
કોબીચ	गोभी
કયારો	थँवला
ખારેક	छुहारा
ગર	गूदा
ગુંદર	गोंद
ગુવારસીંગ	ग्वार
ચંબેલી	चमेली

[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
નાળિયેર	नारियल
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
બદામ	बदाम
બટાકા	[illegible]
બોર	बेर
મૂળા	मूली
મકાઈ	मक्का
રાઈ	राई
લીંબુ	नीबू
લીમડો	नीम
લસણ	लहसून
વેગણ	बेगन
વાલોળ	सेम
શિંગોડાં	सिंघाड़ा
સુરણ	जिमींकन्द
સફરજન	सेब
સીંગ	मूंगफली

—

कारीगर-धातु आदि

અબરખ	अभ्रक
એલ્યુમિનિયમ	आलमोनियम
કાંસું	काँसा
કલાઈ	रांगा
કાચ	काँच
કાછી	कुंजड़ा
કુંભાર	कुम्हार
કંસારો	ठठेरा
કંદોઈ	हलवाई
કારકૂન	मुंशी
કડીઓ	राज
ખેડૂત	किसान
ખારવો	मल्लाह
ખડી	खरिया
ઘાંચી	तेली
ચાંદી	चांदी
મણીયાર	मनिहार
ચંડાલ	चाडाल
જસત	जस्ता
જુગારી	जुआरी
ટંકણખાર	सुहागा
ટપાલી	डाकिया

તાંબુ	तांबा
તંબોલી	तमोली
દરજી	दर्जी
દરવાન	अरदली
પારો	पारा
પિત્તળ	पीतल
પીંજારો	धुनियाँ
પરોણા	पाहुना
પટાવાળો	चपरासी
ફિટકડી	फिटिकरी
ભાડભૂંજો	भड़भूंजा
ભંગીઓ	महेतर
ભરવાડ	गडरिया
માછી	मच्छीमार
રંગરેજ	रँगरेज, छीपी
લુહાર	लुहार
લોઢું	लोहा
વણકર	जुलाहा
વાણીઓ	वनिया
વાઘરી	शिकारी
સોની	सुनार
સુથાર	बढ़ई
સુરમો	सुरमा
સોનું	सोना
સોમલ	सखिया
સીસું	सीसा
હિંગળોક	इँगुर
હજામ	नाई

नाते-रिश्तेदार

કાકા	चाचा, काका
કાકી	चाची, काकी
છોકરો	लड़का
છોકરી	लड़की
જમાઈ	दामाद
જાન	वरात
જાનૈયા	वराती
જાનીવાસો	जनमासा
દિયર	देवर
દીકરો	पुत्र
દીકરી	पुत्री
દાદા, નાના	दादा, नाना
દાદી, નાની	दादी, नानी
આણું, દ્વિરાગમઈ	गौना
નણંદ	ननद
નણદોઈ	ननदोई
પિયર	मायका
પિતા	पिता
ફોઈ	बूआ
બેન	बहिन
બનેવી	बहनोई
ભત્રીજો	भतीजा
ભત્રીજી	भतीजा
ભાણેજ	भानजा
ભાણેજ	भानजी
મોસાળ	ननसाल
મા, માતા, બા	माँ, माता अम्मा

[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]

वनस्पति

આખરોટ	अखरोट
અરડૂસો	अडूसा
એરંડો	एरंड
આબલી	अमली
આસોપાલવ	अशोक
અરીઠા	रीठा
આમળા	आँवला
આંડી	आमी
આંકડો	आक
આસંધ	असगंध
કરેણ	कनेर
કેવડો	केवड़ा
કોથમીર	हरा धनियाँ
ગલગોટો	गेंदा
ગળી	नील
તલ	तिल
દરોભ	दूब
ધંતુરો	धतूरा
બોરસળી	मौलसिरी
બીલી	बेलवृक्ष
બોરડી	बेरी
બાવળ	बबूल
મોગરો	बेला, मोगरा
શેતૂર	शहतूत
શણ	सन
સુવા	सोया
સરસવ	सरसों
સોપારી	सुपारी

अदालती

અનામત	धरोहर
અરજી	अर्जी
આવક	आय, आमदनी
અભિપ્રાય	राय
અસીલ	मुवक्किल
ઇલાકો	इलाका जिला
ઇજારો	ठेका
ઇન્સ્પેક્ટર	निरीक्षक
ઉઘરાણી	उगाही
કેસ	अभियोग
કચેરી	कचहरी

કાગળ	काग़ज़	બન્દોબસ્ત	इन्तज़ाम
કાયદો	कानून	મુચરકો	मुचलका
કેદખાનું	जेल	મુકદ્દમો	मुक़द्दमा
કેદ	कैद	મહેસૂલ	महसूल
કદર	कद्र	મુલાકાત	भेंट
ખર્ચ	खर्च	મિલકત	जायदाद
છૂટકારો	रिहाई	મુખત્યાર	मुख़्तार
છુટાછેડા	तलाक	મસલત	सलाह
જ્યુરી	जूरी	યાદી	सूची, तालिका
જામીનગીરી	जमानत	લાંચ	घूस, रिश्वत
જંગમ	चल सम्पत्ति	રાજીનામું	इस्तीफा
જુદો	अलग	વ્યાજ	सूद
જાસુસ	खुफिया	વકીલાતનામું	वकालतनामा
ટાંક	निब	વાદી	मुद्दई
તહોમત	इल्ज़ाम	વેઠ	बेगार
તોટો	घाटा	વર્તણુંક	वर्ताव
તપાસ	जाँच	સુનાવણી	सुनवाई
તોફાન	दंगा	સ્થાવર	गैरमनकूला अचल सम्पत्ति
દંડ	जुर्माना	સાક્ષી, પુરાવો	गवाही
દેવાળું	दिवाला	સમન્સ	समन
દગો	धोखा	હક	हक
દફતર	बस्ता		
નિરીક્ષણ	मुआयना		

पाठशाला-पुस्तकालय

પ્રતિવાદી	मुद्दालेह	ધોરણ	कक्षा, वर्ग
પરવાનગી	इजाज़त	નિશાળ	पाठशाला
પદવી	उपाधि	નકશો	मानचित्र, नकशा
પંચ	पंच	પરીક્ષા	परीक्षा, इम्तहान
ફોજદાર	फौजदार	પુસ્તક	किताब

પાઠ	पाठ, सबक
પ્રતિબન્ધ	रुकावट
પુસ્તકાલય	पुस्तकालय
ફી	फ़ीस
ભાષાન્તર	अनुवाद
ભ્રમણ	भ्रमण
વિદ્યાર્થી	छात्र
શાહી	स्याही

—

मास, दिवस, तिथि और समय

ચૈત્ર	चैत्र
વૈશાખ	वैसाख
જેઠ	जेठ
અષાઢ	आषाढ
શ્રાવણ	सावन
ભાદરવો	भादों
આસો	क्वार, आश्विन
કારતક	कार्तिक
માગશર	अगहन, मगसिर
પોષ	पूष
મહા	माघ
ફાગણ	फागुन

—

જાનેવારી	जनवरी
ફેબ્રુઆરી	फरवरी
માર્ચ	मार्च
એપ્રિલ	अप्रेल
મે	मई
જૂન	जून
જુલાઇ	जुलाई
ઑગસ્ટ	अगस्त
સપ્ટેંબર	सितम्बर
ઑક્ટોબર	अक्टूबर
નવેમ્બર	नवम्बर
ડિસેમ્બર	दिसम्बर

—

રવિવાર	रविवार
સોમવાર	सोमवार
મંગળવાર	मगलवार
બુધવાર	बुधवार
ગુરુવાર	गुरुवार
શુક્રવાર	शुक्रवार
શનિવાર	शनिवार, शनिश्चर

—

પડવો	पड़वा
બીજ	दोंज, दूज
ત્રીજ	तीज
ચોથ	चौथ
પાંચમ	पंचमी
છઠ	छठ
સાતમ	सातें
આઠમ	आठें
નોમ	नौमी
દશમ	दशमी
અગિયારશ	एकादशी
બારશ	द्वादशी

તેરશ	तेरस	**खेती**	
ચૌદશ	चौदस	ઉકરડો	घूरा
પૂનમ	पूनौं, पूर्णमासी	કૂવો	कुआँ
અમાસ	अमावस, अमावस्या	કોદાળી	कुदाली
	—	કોસ	चरस
પ્રાતઃકાળ	प्रात.काल	કપાસિયા	बिनौला
સવાર	सुबह, सवेरा	ખળું	खलिहान
સાંઝ	संध्या, शाम	ખાતર	खाद
બપોર	दोपहर	ખરપી	खुरपी
ઉનાળો	गर्मी	ગાંસડી	गठरी
શિયાળો	जाडा	ગરગડી	गडारी
વરસાદ	बरसात	જોતરૂં	जोतनी
પાન ખરઋતુ	पतझड	ટોપલી	डलिया
મેઘધનુષ્ય	इन्द्रधनुष	નિંદામણ	निराई
વિજળી	बिजली	પડતર	परती
ચાંદની	चाँदनी	પરાળ	पुआल
અંધારુ	अँधेरा	પાવડો	फावडा
પખવાડિયું	पक्ष, पखवाडा	રેંટ	रहँट
અઠવાડિયુ	सप्ताह, हफ्ता	હાથો	मूठ
કલાક	घण्टा		—
હિમ	पाला	**जल-थल-सम्बन्धी**	
છેડો	अन्त	ઓસરી	ओसारा
પ્રથમ	आदि	ઓરડો	कमरा
પૂર્વ	पूरब	અંતઃપુર	हरम, जनानखाना
પશ્ચિમ	पश्चिम	કાદવ	कीचड
ઉત્તર	उत्तर	કાચબો	कछुआ
દક્ષિણ	दक्षिण	કિલ્લો	किला
	—	ખાડો	गड्ढा

ખેતર	खेत
ગુફા	खोह
ગામડું	देहात
ચકલો	चौराहा
જુગારખાનું	जूआघर
જળો	जौंक
ઝરણું	झरना
ઝુંપડી	झोपड़ी
તળાવ	तालाव
પગથિયું	सीढ़ी
દાદરો	जीना
નિસરણી	नसेनी
પરબ	प्याऊ
ફીણ	फेन
બંદર	बन्दरगाह
બંધ	बाँध
મોજું	तरंग
કરમાવું	कुम्हलाना
મીલ	पुतलीघर, मिल
રણ	रेगिस्तान
રેતી	बालू
રસોડું	रसोईघर
વમળ	भँवर
વહાણ	जहाज
શેવાળ	काई
સુકાન	पतवार
હોડી	डोंगी, नाव

—

क्रियापद

આવવું	आना
આપવું	देना
ઓળખવું	पहचानना
ઓળંગવું	लाघना
અથડાવું	टकराना
ઉઘરાવવું	उगाहना
ઉછાળવું	उछालना
ઉકળવું	उबलना
ઉભરાવું	उफनना
ઉશ્કેરવુ	उभाड़ना
ઉકાળવું	औटाना
ઉપાડવું	उठाना
કંટાળવું	ऊबना
કહેવુ	कहना
કાપવું	काटना
કૂદવું	फाँदना
ખેડવુ	जोतना
ખાવું	खाना
ખીલવું	खिलना
ખોવું	खोना
ખાંડવું	कूटना
ખસવું	खिसकना
ખિજવાવું	खीजना
ગણવું	गिनना
ગૂંથવુ	गूथना
ગોખવું	रटना
ગાવું	गाना

ઘેરવું	घिरना	પહેરવું	पहनना
ધરાવું	अघाना	પીસવું	पीसना
ચણવું	चुगना	ફસાવું	फँसना
ચમકવું	चौंकना	ગૂંચાવું	उलझना
છલકવું	छलकना	ફરવું	घूमना
છાંટવું	छिड़कना	બગાસું ખાવું	जँभाना
છૂંદવું	कुचलना	પાકવું	पकना
છોલવું	छीलना	ભસવું	भौंकना
જાણવું	जानना	મૂકવું	रखना
જવું	जाना	માપવું	नापना
જોવું	देखना	મળવું	मिलना
જાણવું	जानना	મારવું	मारना
તોતડાવું	तुतलाना	રેડવું	उँडेलना
તપાસવું	जाँचना	રડવું	रोना
તરવું	तैरना	રિસાવું	रूठना
થૂંકવું	थूकना	લખવું	लिखना
થોભવું	ठहरना	વીંઝોડવું	झकझोरना
થવું	होना	વેચવું	बेचना
થાકવું	थकना	વખાણવું	सराह करना
થાબડવું	थपकी देना	વાવવું	बोना
દોહવું	दुहना	સીવવું	सीना
દેખાવું	दीखना	સળગાવવું	सुलगाना
ધુત્કારવું	दुत्कारना	હાલવું	हिलना
નીકળવું	निकलना	હોલવાવું	बुझना
પીંજવું	धुनना		
નાસવું	भागना		
નાખવું	डालना		
પીંજવું	धुनना		

—

क्रिया-विशेषण

આજુ-બાજુ	अगल-बगल
આગળ	आगे

		જાણી જોઈને	जानबूझकर
અત્યારે	अब	ત્યારે	तब
આટલું	इतना	ત્યાં	वहाँ, उधर
આજથી	आजसे	તરતજ	तत्क्षण, शीघ्र
અહીં-તહીં	इधर–उधर	તેમ	त्यों
એકી સાથે	एकबारगी	તેવું	वैसा
એવું	ऐसा	તેવી રીતે	वैसे, उस प्रकार
અહીં	यहाँ	દર સાલ	हरसाल
આમ, એમ	यों	ધીમે-ધીમે	धीरे–धीरे
કદી	कभी	નજીક	पास, नजदीक
ક્યારે	कब	પોતાની મેળે	आपसे आप
કાલ	कल	પાછળ	पीछे
ક્યાં	कहाँ	પરમ દિવસે	परसों
કેટલું	कितना	પછી	फिर
કેવું	कैसा	ફરી-ફરી	पुनः पुनः
કેવીરીતે	कैसे	બહાર	बाहर
કેમ	क्यों	બપોર	दोपहर
ખરાબ રીતે	बुरीतरह से	મળસ્કે	पौफटे
ગયે વર્ષે	पिछले साल	વારંવાર	बार–बार
ઘણું કરીને	बहुधा	વચ્ચો વચ્ચ	बीचो-बीच
ઘણી વાર	बहुत बार	સાથે	साथ, सहित
ઘણું	बहुत	સાંઝ	संध्याको
છેવટે	अन्तमें	સવારે	सुबहको
જ્યારે	जब	હમણાં	हालमें
જ્યાં	जहाँ, किधर	હમેશાં	हमेशा
જેવું	जैसा		—
જેવી રીતે	जिस प्रकार, जैसे		विशेषण
જેમ	ज्यों	આંધળો	अन्धा
જેટલું	जितना		

અક્કડ	अक्खड़	ઠીંગણું	ठिगना, बौना
અજાણ્યો	अपरिचित, अनजान	ડાહ્યો	सयाना
અભણ	निरक्षर	ડાબો	बायाँ
અણીદાર	नुकीला	ડામેલો	दागा हुआ
આળસુ	आलसी	ડામાડોળ	डाँवाडोल
એકનો એક	इकलौता	તુચ્છ	नाचीज़
ઊંડું	गहरा	દેવાળિયો	दिवालिया
કઠણ	कड़ा	દૂઝણી	दुधारू
કડવું	कड़ुआ	દીર્ઘદર્શી	दूरंदेश
કાણો	काना	ધાવણું	दुधमुँहा बच्चा
કુંવારો	कुँवारा	નવશિખાઉ	नौसिखिया
કાબરચીતરો	चितकबरा	નકામો	व्यर्थ
ખુશામતી	चापलूस	નવો	नया
ગામડીયો	गाँव का, देहाती	નાનો	छोटा
ગોબરો	मटमैला	નક્કર	ठोस
ઘરગથ્થુ	घरेलू	નામીચો	नामी
ઘઉંવર્ણો	गेहुँआ रंगका	પૂરતું	पर्याप्त, काफ़ी
ચકળતો	चमकीला	પહોળો	चौड़ा
ચોખંડો	चौकोर	પોલો	पोला
જક્ક	कुर्क	પાળેલો	पालतू
જાણીતો	जानकार	બીજો	दूसरा
જીવતો	जिन्दा	ભપકાદાર	भड़कीला
જાડો	मोटा	યુવાન	युवा
ઝેરીલો	जहरीला	લાડકવાયો	दुलारा
ઝીણું	महीन	લીલું છમ	लहलहा
જમણો	दायाँ	લંબગોળ	लबोत्तर
ટાઢું	ठण्डा	લગાર	तनिक
તાલિયો	गंजा	સામાન્ય	मामूली

[illegible]	[illegible]	તો પણ	तथापि
સારૂં	अच्छा	તાબે	अधीन
સાથે	संग	તદ્દન	बिलकुल
વિષે	विषे	નો નો ની	की (संबंधकारक)
	अव्यय	ના, નહિં	मत, नहीं
અને	और	પણ	परन्तु, भी, पर
હવેથી	अबसे	પછી	बाद
એટલા માટે	अतएव	પાસે	पास
એકાએક	एकाएक	પેઠે	तरह
આ કારણથી	इस वजहसे	ફક્ત	सिर्फ, केवल
[illegible]	इसलिये	માટે	लिये, वास्ते
ખાસ કરીને	खास करके	રીતથી	रीतिसे
કેમકે, કારણકે	क्योंकि	વગર	विना
કે	कि	વગેરે	आदि, वगैरह
ક્યાં સુધી	कबतक	વખતસર	समयपर
ખરેખર	सचमुच	વતી, બદલે	जगह
ઘણે ભાગે	प्राय.	સિવાય	सिवा
ચોક્કસ	निःसन्देह	સામે	सामने
છાનામાના	चुपचाप	સુધી	तक
જો	यदि	હર હંમેશ	रोजमर्रा
જોકે	यद्यपि, जोकि	હમણાંનું	अबका
જ્યાં સુધી	जब तक	હજી સુધી	अबतक
તે છતાં	तिसपर	હજી પણ	अब भी
ત્યાં સુધી	तबतक	હમણાં	सम्प्रति आजकल

